तापमान
अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 22 .3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 20 जुलाई 2025

12 राजपुतान में खत्म होगी पीने के पानी की समस्या

12 छात्रों ने मचाया धमाल, गीतों पर नृत्य कर दिखाई प्रतिभा

खबर संक्षेप

पाक जाने वाले श्रद्धालुओं से 8 तक मांगे आवेदन

अंबाला। नगराधीश अभिषेक गर्ग ने बताया कि श्री गुरू नानक देव की जयंती पर पाकिस्तान जाने के इच्छुक श्रद्धालु 8 अगस्त 2025 तक उपायुक्त कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष श्री गुरू नानक देव की जयंती पर श्रद्धालू पाकिस्तान जाते हैं। आवेदन करने वाले श्रद्धालूओं के लिए गृह मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। इसलिए जो श्रद्धालू इस अवसर पर पाकिस्तान जाने के इच्छुक हैं वे 8 अगस्त 2025 तक उपायुक्त कार्यालय में अपना आवेदन जमा करवा सकते हैं। इसके पश्चात कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जुआ खेलते 21 लोगों को राशि समेत किया काबू

अंबाला। थाना अंबाला शहर पुलिस ने सूचना के आधार पर रेड करके 21 आरोपियों को जुआ खेलते काबू कर उनसे 44,300/- रूपये जब्त किए हैं। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि काफी जुआरी एक साथ इक्टठा होकर पुराना बकरा मंडी काला पुल के पास जुआ खेल रहे है। रेड के दौरान पुलिस ने 21 आरोपियों को काबू उनके खिलाफ केस दर्ज किया है।

जमीन खरीद-फरोख्त में ठगी का आरोपी पकड़ा

अंबाला। थाना अंबाला सदर में दर्ज जमीन खरीद-फरोख्त की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। मामले में संलिप्त अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब फतेहगढ़ साहिब के सुरिंद्र सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी दर्शन सिंह व अन्य ने उसके साथ जमीन बेचने का इकरारनामा करके करीब 47 लाख 65 हजार रूपये की एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी की है। आरोपी ने उसी जमीन को किसी अन्य को बेचने के लिए भी ब्याना लिया हुआ था।

ग्रिल से टकराई पिकअप हादसे में चालक की मौत

समालखा। समालखा में करनाल से दिल्ली जा रही पिकअप गाड़ी, गांव पट्टीकल्याणा के पास जीटी रोड पर ट्रैफिक बूथ के सामने लगी ग्रिल से टकरा गई। हादसे में 35 वर्षीय संतोष कुमार निवासी त्रिलोकपुरी, दिल्ली की मौत हो गई। थाना समालखा पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद संतोष का शव उसके परिजनों को सौंप कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

फायरिंग करने के चार आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने थाना किला क्षेत्र की चावला कॉलोनी में फायरिंग करने के चार आरोपियों हिसार जिले के गांव बांस आजम शाहपुर निवासी मनीष, गांव गुराना निवासी अशोक उर्फ काला, खानपुर निवासी सुमित व गांव खेदड़ निवासी अमन को सीआईए वन पुलिस ने दो देसी पिस्तौल व 12 जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है।

25 को रिलीज होगी थ्रिलर फिल्म 'हां मैं पागल हां'

चंडीगढ़। फिल्म 'हां मैं पागल हां' का प्रीमियर केबल वन पर 25 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म 'केबल वन' पर होगा। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म भारत के सबसे तेजी से बढ़ते प्लेटफॉर्म्स में से एक है और 11 भाषाओं पंजाबी, हिंदी, इंग्लिश, अरबी, चीनी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, रशियन, फ्रेंच और स्पेनिश में कंटेंट स्ट्रीम करता है, ताकि पंजाब की कहानियाँ पूरी दुनिया तक पहुँच सकें। फिल्म 'हां मैं पागल हां' का निर्देशन अमरप्रीत जीएस छाबड़ा ने किया है और सिनेमैटोग्राफी की खूबसूरती को सुनीता राडिया ने कैमरे में कैद किया है। यह फिल्म सुमीत सिंह द्वारा सागा स्टूडियोज के बैनर तले निर्मित है।कहानी एक भयावह नए साल की रात से शुरू होती है, जहाँ 13 साल का मंटो एक भयानक सामूहिक हत्याकांड का आरोपी है। केवल एक और व्यक्ति, राज, उस रात बचता है, जो तेरह साल बाद सच का सामना करने और असलियत जानने लौटता है। जैसे-जैसे राज उस रात की परतें खोलता है, मंटो के अतीत और मानसिक स्थिति की गहराई में उतरता है, एक के बाद एक चौंकाने वाले रहस्य और विश्वासघात सामने आते हैं, जहाँ सच्चाई और पागलपन की लकीर धुंधली होने लगती है। मुख्य भूमिका में हैं हिमांशी खुराना, जिनके साथ नजर आएँगे एक दमदार कलाकारों की टोली: अभिशांत राणा, प्रत्याक्ष पंवार, हरजीत वालिया, अभियांशु वोहरा, स्वतंत्र भारत, अजय जेठी, भारती दत्त, आर्यन आजाद, कुदरत पाल सिंह, कृष्ण टंडन, अतुल लंगाया, फरहाना भट्ट, मन्नत शर्मा, तन्नू भारद्वाज, प्रीत ग्रेवाल, और जैस्मीन मीनू जिनके अभिनय से कहानी और भी जीवंत हो उठती है। तैयार हो जाइए एक ऐसी कहानी के लिए जहाँ पागलपन और रहस्य आपस में टकराते हैं।

पत्नी को तीन तलाक बोलकर घर से निकाला

यमुनानगर। गांव नाहरपुर में दहेज की मांग पूरी न होने पर पति ने तीन तलाक बोलकर अपनी पत्नी को घर से निकाल दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गांव नाहरपुर निवासी सन्ना ने जठलाना पुलिस को बताया कि उसका निकाह आकिल के साथ हुआ था। निकाह के दौरान दिए गए दहेज से उसका पति आकिल खुश नहीं था। निकाह के बाद से आरोपी उसे अधिक दहेज लेकर आने की मांग करने लगा। उसने इस बारे अपने मायके वालों को बताया। मायके वालों ने उसके पति की मांग को पूरा किया मगर आरोपी फिर से अधिक दहेज की मांग करने लगता। सन्ना ने बताया कि गत 29 अप्रैल को आरोपी ने उसे तीन तलाक बोलकर घर से निकाल दिया।

प्रदेश के सभी डाकघरों में मात्र दस रुपये में उपलब्ध होगा लिफाफा

राखी भेजने के लिए डाक विभाग ने तैयार किया वाटर प्रूफ लिफाफा

लिफाफे को खरीदने में बहनें दिखा रही हैं दिलचस्पी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में डाक विभाग की ओर से एक खूबसूरत लिफाफा तैयार किया गया है।

- टैंपर प्रूफ पैकिंग होने से लिफाफे के साथ छेड़छाड़ भी नहीं की जा सकती है

वाटरप्रूफ इस लिफाफे से कोई छेड़छाड़ भी नहीं कर सकता।

अपने भाई को राखी भेजने के लिए कोई भी बहन इस लिफाफे का इस्तेमाल कर सकती है। हर डाकघर में यह लिफाफा बहनों के लिए महज दस रुपये में उपलब्ध होगा।

अंबाला। डाक विभाग की ओर से राखी के लिए तैयार वाटरप्रूफ लिफाफा।

लिफाफे की मांग बढ़ी

बिक्री के लिए उपलब्ध इस लिफाफे की पहले दिन से ही डिमांड बढ़ गई है। बहनें इस खूबसूरत लिफाफे के जरिए अपने भाईयों तक राखी पहुंचाने में दिलचस्पी दिखा रही हैं। हरियाणा सर्कल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल संजय सिंह ने बताया कि डाक विभाग द्वारा राखी पर्व पर ग्राहकों के लिए राखी लिफाफा तैयार किया गया है। यह मात्र 10 रूपए में प्रदेश के सभी विभागीय डाकघरों में बिक्री के लिए उपलब्ध है। भारतीय डाक विभाग सदैव जन सेवा की भावना के साथ कार्य करता आ रहा है। आम जनता को सुलभ, सुरक्षित व विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में हरियाणा सर्कल द्वारा रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर एक विशेष राखी लिफाफा जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि यह लिफाफा राखी पर्व को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। लिफाफा बहनों की भावनाओं को उनके भाईयों तक सुरक्षित, शीघ्र और विश्वसनीय रूप में पहुंचाने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस सुविधा का लाभ उठाएं और रक्षाबंधन के इस पावन पर्व को और यादगार बनाएं। लिफाफे के लिए नजदीकी विभागीय डाकघर से संपर्क किया जा सकता है।

टैंपर प्रूफ पैंकिग

हरियाणा सर्कल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल संजय सिंह ने यह भी बताया कि इस लिफाफे की विशेषता यह है कि यह हल्का है और डाक शुल्क की दृष्टि से किफायती और आसानी से भेजा जा सकता है। यह लिफाफा लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त है। यह पानी में गीला न हो इसलिए इसे वाटर प्रूफ बनाया गया है। यह लिफाफा टैंपर प्रूफ पैकिंग है। इसी वजह से इससे छेडछाड़ भी नहीं की जा सकती है।

बिजली निगम ने 14.51 लाख के बजाय भेजा 1.45 करोड़ का बिल

- बिजली चोरी के मामले में कोर्ट से केस हारने के बाद निगम ने परिवार को भेजा गलत बिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

बिजली निगम की लापरवाही का खामियाजा करनाल के एक परिवार को भुगतना पड़ रहा है। वर्ष 2014 के बिजली चोरी के पुराने मामले में कोर्ट से केस हारने के बाद निगम ने परिवार को 14.51 लाख रुपये जमा कराने का आदेश भेजा, लेकिन सिस्टम की गलती से यह रकम बढ़कर 1.45 करोड़ रुपये हो गई। नोटिस मिलने के बाद परिवार पूरी तरह टूट गया है।

परिवार की बेटी यूपीएससी की तैयारी कर रही थी, लेकिन पिछले डेढ़ साल से बिजली कटी होने के कारण उसकी पढ़ाई बंद है। परिजनों का कहना है कि जमीन कुर्की की नोटिस के दिन ही परिवार के मुखिया को हार्ट अटैक आ गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अब 19 जुलाई को पूरा परिवार बिजली मंत्री अनिल विज से न्याय की गुहार लगाने पहुंच रहा है। बिजली विभाग के एसडीओ ने बताया कि 2014 में यह परिवार बिजली चोरी करते पकड़ा गया था और बाद में कोर्ट में मामला चला। कोर्ट में केस हारने के बाद विभाग ने बिल भेजा, लेकिन टेक्निकल गलती के चलते 14.51 लाख की जगह 1.45 करोड़ का बिल दिखा दिया गया। अब इसे ठीक किया जा रहा है।

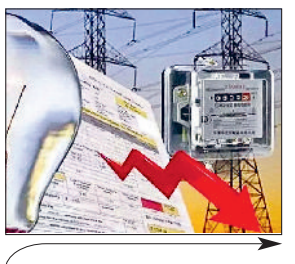

गलती का विवरण

वास्तविक बकाया: 14.51 लाख रुपये
गलती से भेजा बिल: 1.45 करोड़
वजह : बिल सिस्टम में एक डिजिट अधिक जुड़ गया
स्थिति: बिजली कटी, यूपीएससी की तैयारी रुकी, रोजगार बंद
परिवार का आरोप : 2014 में बिल भरने के बाद केस स्टे था, अब अचानक कुर्की और भारी बिल।

गन पॉइंट पर लूट की तैयारी, दो गिरफ्तार

- सीआईए-1 करनाल की टीम की कार्रवाई, हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला पुलिस की सीआईए-1 टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गन पॉइंट पर लूट की साजिश रचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से पहले तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि अब दो और आरोपियों को दबोच कर उनके कब्जे से एक पिस्टल भी बरामद की गई है।

इस कार्रवाई का नेतृत्व सहायक उप निरीक्षक सतीश कुमार ने किया। पुलिस ने जानकारी दी कि हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सागर पुत्र वीरेंद्र निवासी ताऊ देवीलाल नगर, गोहाना (सोनीपत) तथा अजीत सिंह उर्फ मुकेश कुमार निवासी जौहरी नगर, बहादुरगढ़ (झज्जर) के रूप में हुई है।

अनुसंधान अधिकारी के अनुसार, सागर को 16 जुलाई को गोहाना से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दो दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया। रिमांड के दौरान सागर ने खुलासा किया कि वह पिस्टल अपने साथी मुकेश कुमार से लाया था। इस खुलासे के बाद पुलिस टीम ने दिल्ली के मयूर विहार से मुकेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लूट की योजना में प्रयोग की जाने वाली एक पिस्टल भी बरामद की, जो मुकेश कुमार के पास से मिली।

आरोपी जेल भेजे

दोनों आरोपियों को आज करनाल न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जिला जेल करनाल भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

अमेरिका भेजने का झांसा देकर बीस लाख रुपये ठगे

इसराना। अमेरिका भेजने के नाम पर 20 लाख 50 हजार की ठगी है। वहीं, सोनीपत के गांव कुंडल निवासी जय भगवान के भाई सतवीर सिंह को अमेरिका भेजने का झांसा दिया।

पुलिस शिकायत में जय भगवान ने बताया कि दो साल पहले उनके भाई सतवीर को विदेश जाना था। पानीपत के गांव भादड निवासी रोहतास ने अमेरिका भेजने का वादा किया। रोहतास को 18 लाख रुपए कैश और बैंक ट्रांसफर के जरिए दिए गए। एजेंट ने सतवीर को भारत से तुर्की भेज दिया, जहां वह डेढ़ महीने तक फंसा रहा। आगे की प्रक्रिया के लिए रोहतास ने दिल्ली की जसप्रीत कौर से संपर्क करवाया। जसप्रीत ने वीजा और फ्लाइट की व्यवस्था के नाम पर ढाई लाख और ले लिए।

महिला की कलाई पर कट का निशान

पश्चिमी यमुना नहर से नग्न अवस्था में मिला महिला का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

पश्चिमी यमुना नहर से नग्न अवस्था में एक महिला का शव बरामद हुआ है। महिला की कलाई पर कट का निशाना था और उसके पैरों की उंगलियों में चुटकिया डली हुई थी। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया।

- पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवाया

जानकारी के अनुसार गोताखोर राजीव ने बताया कि उसे सूचना मिली थी कि फतेहपुर पुल के पास पश्चिमी यमुना नहर में एक महिला का शव तैर रहा है। सूचना मिलते ही वह टीम के साथ मौके पर पहुंचा। उसने महिला को नहर से बाहर निकाला। महिला पूरी तरह से नग्न अवस्था में थी। उसके शरीर पर कोई भी कपड़ा नहीं था। उसने बाजार से चादर मंगवाकर महिला के शव को ढका। इसके बाद उसने मामले की सूचना डायल 112 पुलिस टीम को दी। डायल 112 टीम के इंचार्ज बलराम टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम की जांच के दौरान महिला की कलाई पर कट का निशान मिला इसके साथ ही उसके पैरों की उंगलियों में चुकटियां डली हुई थी। इंचार्ज ने घटना के बारे में बूडिया थाना पुलिस को सूचित किया। बूडिया थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई। बताया जा रहा है कि जिस प्रकार महिला नग्न अवस्था में मिली है इससे महिला के साथ कोई अनहोनी घटना घटित हुई है। क्योंकि अगर महिला सुसाइड करती तो उसके शरीर पर कपड़े होते। बहरहाल बूडिया थाना पुलिस ने शव की शिनाख्त न होने पर उसे सिविल अस्पातल के शव गृह में रखवा दिया। पुलिस ने इस बारे आसपास के पुलिस थानों में सूचना भी दे दी है।

राहुल हत्या मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला पुलिस कुरूक्षेत्र ने हुडा ग्राऊड पिहोवा में हुई राहुल हत्या मामले के मुख्य आरोपी रोहित कुमार उर्फ दीपू वासी पिहोवा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार किया है।

- कुरुक्षेत्र के पिहोवा का निवासी था मृतक राहुल

थाना शहर पिहोवा में दी शिकायत में इन्द्रजीत वासी पिहोवा ने बताया कि वह फौजी प्लॉट पेहवा में चिकन का काम करता है। 2 दिसम्बर 2024 को उसकी दुकान पर एक लडके ने बताया कि उसका लड़का हुड्डा ग्राउंड में खून से लथपथ पड़ा है।

वह मौके पर गया और उसने देखा कि उसका लड़का राहुल की छाती पर गोली के निशान थे। सूचना पर पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक जगदेव सिह अपनी टीम सहित मौका घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम ने एम्बुलैंस से घायल को सरकारी हस्पताल पेहवा मे जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 6 दिसम्बर 24 को अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने मामले में आरोपी लवप्रीत सिंह उर्फ बाबा वासी गांव सतौडा वा जसविन्द्र सिंह उर्फ सेठी वासी साम्भली जिला करनाल को गिरफ्तार कर लिया था। अपराध अन्वेषण शाखा-1 प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार के मार्गनिर्देश मे उप निरीक्षक शरनजीत सिंह पीएसआई विनय कुमार, सहायक उप निरीक्षक संदीप कुमार व सिपाही सतबीर सिंह की टीम ने राहुल हत्या मामले के मुख्य आरोपी रोहित कुमार उर्फ दीपू वासी पेहवा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया।

करनाल के गोंदर गांव में ठगी का बड़ा मामला

खुद को फर्जी डिजाइनर बताकर 13 महिलाओं के लाखों के गहने उड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

गोंदर गांव में खुद को ज्वेलरी डिजाइनर बताकर एक शातिर महिला ने गांव की 13 महिलाओं से लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने ठग लिए और फरार हो गई। चार दिन तक गांव में विश्वास जीतने के बाद शुक्रवार को तय समय पर न लौटने पर महिलाओं को ठगी का अहसास हुआ। अब सभी पीड़ितों ने निसिंग थाने में शिकायत दी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला एक बच्ची को साथ लेकर गांव आई थी। उसने दावा किया कि वह ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए महिलाओं के पुराने गहनों के डिज़ाइन की प्रदर्शनी कर रही है और इसके बदले अच्छे इनाम दिए जाएंगे। पहले एक महिला से चांदी की चुटकी ली और दूसरे दिन उसे लौटाकर बर्तन भी लौटाए। इसी विश्वास में अन्य महिलाएं भी आ गईं। धीरे-धीरे गांव की महिलाएं सोने की बालियां, अंगूठियां, चेन तक उसे देने लगीं। महिला ने शुक्रवार को सुबह 10 से 12 बजे तक वापस लौटने का वादा किया था, लेकिन जब वह नहीं आई तो महिलाओं को धोखा होने का एहसास हुआ।

पीड़िताओं का कहना है कि महिला ने बड़ी चतुराई से माहौल बनाकर उन्हें अपने आप गहने सौंपने को मजबूर किया। सभी को लगा कि उनके गहनों के बदले अच्छा इनाम मिलेगा। लेकिन जैसे ही वह तय समय पर नहीं लौटी, सभी को समझ आया कि वे ठगी का शिकार हो चुकी हैं।

इनके गहने ठगे

सुदेश: सोने की बालियां
ऊषा: 12 तोला चांदी, 6 ग्राम सोना
पूजा: आधा तोला सोना
सोनिया: आधा तोला सोने के गहने
सोनिया देवी: आधा तोले की ओम बालियां
प्रियंका: 2.20 ग्राम सोना
पिंकी: 2 ग्राम सोना
रेशमी: 2 ग्राम सोने की बालियां
सरोज: चांदी की पाजेब
मुकेश देवी: चांदी के गहने
सीता: दो जोड़ी चांदी की चुटकी
पूनम: चांदी की पायल
सीमा: दो जोड़ी चांदी की चुटकी
नरेशो देवी: चांदी की पायल

अवैध हथियारों के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

- एक आरोपी पर 22 अपराधिक मामले दर्ज तो दूसरे पर चार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा टू ने गांव रटौली के पास से दो बदमाशों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। जांच के दौरान सामने आया कि पकड़े गए एक आरोपी पर 22 अपराधिक मामले दर्ज हैं तो दूसरे आरोपी पर चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया है।

एएसआई अनिल कुमार ने बताया कि वह देर शाम टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि गांव रटौली के पास दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे दो युवकों को हिरासत में लेकर उनकी तलाशी ली तो उसके पास से पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी युवकों की पहचान रजत पंडित व परवेज के रूप में हुई।

आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। आरोपी परवेज पर 22 अपराधिक मामले दर्ज है जबकि आरोपी रजत पंडित पर चार अपराधिक मामले दर्ज हैं जो कोर्ट में विचाराधीन है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है।

विवि में 23 से 27 जुलाई तक होगा अंतरराज्यीय युवा कार्यक्रम

कुरुक्षेत्र में सांस्कृतिक विरासत का लगेगा महाकुंभ

- कार्यक्रम को लेकर अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विकास विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों की सांस्कृतिक विरासत का महाकुंभ लगेगा।

इस सांस्कृतिक विरासत में हर प्रदेश की संस्कृति को देखने के लिए 23 जुलाई से 27 जुलाई तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर कमेटियों का गठन कर दिया गया है और अलग-अलग नोडल अधिकारी भी नियुक्त कर दिए गए है। हरियाणा युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विकास विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत प्रबंधों की समीक्षा हेतु अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। प्रधान सचिव ने अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 में विभिन्न प्रदेशों से आने वाले 900 युवाओं को ठहरने, यातायात, खाने की व्यवस्था,बिजली, शौचालय, साफ सफाई, मंच व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं के साथ-साथ अन्य प्रबंधों पर बारीकी से स्थानीय अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की फीडबैक ली और प्रबंधों को और बेहतर बनाने के लिए कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने सख्त आदेश दिए कि किसी स्तर पर भी प्रबंधों में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

अगर किसी स्तर पर कमी पाई गई तो सम्बन्धित अधिकारी की जिम्मेवारी भी तय की जाएगी। सभी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर प्रबंधों को निर्धारित समय अवधि में पूरा करना सुनिश्चित करेंगे।

सम्मानित होगी टीम

कार्यक्रम में जिस भी राज्य की टीम अनुशासन में अव्वल आएगी, उस को सम्मानित भी किया जाएगा। इस मौके पर हरियाणा कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निदेशक कैप्टन मनोज कुमार, उपायुक्त नेहा सिंह, डीएसपी सुनील कुमार, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विरेन्द्र पाल,श्री विश्वकर्मा स्कील विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा, डीवाईएसीए के निदेशक डा. विवेक चावला,आईटीआई के उपनिदेशक राजकुमार,आईटीआई के प्रधानाचार्य जगमोहन आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

आशा वर्करों ने की समस्याओं पर बैठक

करनाल। आशा वर्कर यूनियन की जिला स्तरीय बैठक शनिवार को फव्वारा पार्क में जिला प्रधान नीरू की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव सुदेश ने किया। इस दौरान सैकड़ों आशा वर्करों ने भाग लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जताई। नेत्रियों ने बताया कि 4 अगस्त को रेवाड़ी में आयोजित बड़े आंदोलन में हजारों आशा वर्कर स्वास्थ्य मंत्री का घेराव करेंगी। जिला प्रधान नीरू, कविता, सुरेशो और अन्य वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह

भोलेनाथ को करवाया पंचामृत स्नान

करनाल। सावन माह के पावन अवसर पर सेक्टर-8 स्थित श्री राम मंदिर में शनिवार को श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ को पंचामृत से स्नान कराया। मंदिर प्रांगण में हर हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे।कार्यक्रम में मुख्य यजमान विजय कौशल, मंजू, संगीत कौशल, निधि, डॉ. गगन और डॉ. आरती ने भाग लिया। पूजा-अर्चना पंडित अनिल द्विवेदी व पंडित हरीश आचार्य द्वारा विधिपूर्वक संपन्न कराई गई। आगामी 23 जुलाई को शाम 6 से 8 बजे तक मंदिर में "एक शाम भोले बाबा के नाम" भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में वीना सेठ, रेनू तनेजा, सुशील मदान ने भावपूर्ण प्रस्तुति दी।

सब्जियों के बढ़ते दामों ने बिगाड़ा आम आदमी का बजट

बरसात के सीजन में सब्जियों के दाम उगल रहे आग,रसोई संभालना मुश्किल

टमाटर, गोभी, शिमला मिर्च, आलू, प्याज , धनिया और हरी मिर्च अब आम आदमी की थाली से दूर हो रहीं

घरौंडा ▶▶| कमल धीमान

बरसात का मौसम शुरू होते ही आम आदमी की रसोई पर महंगाई की मार पड़नी शुरू हो गई है। खासकर सब्जियों के रेटों में आई जबरदस्त बढ़ोतरी ने रसोई का पूरा बजट बिगाड़ दिया है। टमाटर, गोभी, शिमला मिर्च, आलू, प्याज , धनिया और हरी मिर्च जैसी रोजमर्रा की सब्जियां अब आम आदमी की थाली से दूर होती जा रही हैं।

पिछले करीब एक माह में सब्जियों के रेट लगभग दुगने हो गए हैं। जहां पहले टमाटर 20-25 प्रति किलो बिक रहा था, वहीं अब यह 50-60 प्रति किलो तक पहुंच गया है। प्याज, शिमला मिर्च और गोभी भी 40 से 80 प्रति किलो के बीच बिक रही हैं।

घरौंडा। शहर में सजी सब्जी की दुकाने। फोटो : हरिभूमि

घरौंडा। शहर में सजी सब्जी की दुकाने। फोटो : हरिभूमि

दुकानदार भी परेशान, ग्राहक घटे

मंडी में सब्जी की फड़ी लगाने वाले दुकानदारों का कहना है कि इस बार खरीदारों की संख्या में भारी गिरावट आई है। ग्राहक अब ज्यादा मोलभाव करते हैं और कम मात्रा में सब्जी खरीदते हैं। इससे कारोबार पर असर पड़ा है। दुकानदारों का कहना है कि जुलाई, अगस्त और सितंबर का महीना सब्जी व्यापार के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण होता है।

गृहणियों का रसोई बजट गड़बड़ाया

महिलाओं का कहना है कि महीने की शुरुआत में जो बजट तय किया जाता था, वह अब 10 दिन में ही खत्म हो रहा है। पहले जहां एक ग्रहणी एक बार में 1-2 किलो सब्जी खरीदती थी, अब वह आधा किलो या इससे भी कम पर आ गई है। इससे न केवल रसोई में सब्जियों की वैरायटी घट गई है, बल्कि पोषण स्तर पर भी असर पड़ रहा है। ग्रहणियों को का कहना है कि बरसात का मौसम शुरू होते ही आम आदमी की रसोई पर महंगाई की मार पड़नी शुरू हो गई बाजार में सब्जियां पहले से दोगुने दामों में खरीद कर लानी पड़ रही है जिससे रसोई संभाला भारी हो रहा है।

खाने की थाली से गायब हो रहीं जरूरी सब्जियां

खरीदारों का कहना है कि इतनी महंगाई में गुजारा करना मुश्किल हो गया है। पहले हर रोज सब्जियों की वैरायटी होती थी, लेकिन अब खाना बनाते समय टमाटर, प्याज, हरी मिर्च जैसी सब्जियों का भी सोच-समझकर इस्तेमाल करनी पड़ रहा हैं।

पहाड़ी इलाकों पर निर्भरता बढ़ी

सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि बारिश के चलते इस बार स्थानीय किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है। खेतों में पानी भरने और लगातार नमी रहने से सब्जियों की उपज रुक गई है। ऐसे में अब मंडियों में पहाड़ी इलाकों से सब्जियां मंगवाई जा रही हैं, जिन पर ट्रांसपोर्टेशन का खर्च अधिक आता है। यही कारण है कि सब्जियां मंडी तक पहुंचते-पहुंचते महंगी हो जाती हैं। जैसे ही बरसात शुरू हुई, वैसे ही सब्जियों के रेट आसमान छूने लगे हैं। इससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ा है। दैनिक कमाई करने वाले मजदूर वर्ग के लिए तो सब्जियां खरीदना किसी चुनौती से कम नहीं है। बाजार में सब्जी की दुकानों पर रेट पूछने के बाद सब्जी खरीदने के लिए जेब की तरफ देखना पड़ता है।

न्यूज डायरी

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर होगा समसगम

करनाल। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के अवसर पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीपीसी) की ओर से श्रद्धा व सम्मान के साथ भव्य समागम आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में एचएसजीपीसी के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झिंडा ने बताया कि आयोजन की रूपरेखा तय कर ली गई है और जल्द ही तारीख व स्थान की औपचारिक घोषणा की जाएगी। झिंडा करनाल के डेरा कार सेवा गुरुद्वारा में पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा सुक्खा सिंह से आशीर्वाद लिया और आयोजन को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार भी कुरुक्षेत्र में 5 नवंबर को राष्ट्रीय आयोजन कर रही है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आमंत्रण भेजा गया है। उन्होंने कहा कि एचएसजीपीसी को सराय निर्माण के लिए जमीन चाहिए, लेकिन एसजीपीसी सहयोग नहीं कर रही। मीरी-पीरी मेडिकल कॉलेज के विषय पर भी कई बार एसजीपीसी प्रधान से चर्चा हो चुकी है। इस अवसर पर बाबा सुक्खा सिंह, हरप्रीत नरूला, गुरदेव सिंह रंभा, कुलबीर सिंह, सुरेंद्र सिंह, गुरवंत सिंह, रेशम सिंह और भूपेंद्र सिंह लाडी भी मौजूद रहे।

कराटे खिलाड़ी अलिशा रोड़ का किया सम्मान

करनाल। मोहना (कैथल) निवासी अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी अलिशा रोड़ का क्षत्रिय राजा रोड़ समाज की ओर से करनाल स्थित समाज कार्यालय में भव्य सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मान किया गया। अलिशा ने कराटे में शानदार प्रदर्शन कर न केवल क्षेत्र बल्कि समूचे समाज का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। समारोह की अध्यक्षता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणबीर लाठर ने की जबकि राजेश लाठर, विकास कल्याण, परमिंदर रोड़वसी और रेलवे के उत्तर हरियाणा क्षेत्र के चीफ सेक्रेटरी मोहिंदर रोड़ मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अलिशा के माता-पिता व कोच भी विशेष रूप से कार्यक्रम में मौजूद रहे। रणबीर लाठर ने कहा कि अलिशा ने सिद्ध कर दिया है कि बेटियां भी किसी से कम नहीं हैं और समाज को उन पर गर्व है। राजेश लाठर ने विश्वास जताया कि भविष्य में अलिशा स्वर्ण पदक भी अपने नाम करेगी। समाज की ओर से अलिशा को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

काशी समिट में नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ शामिल हुए हरियाणा के युवा

करनाल। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा /"नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत/" थीम पर तीन दिवसीय युवा आध्यात्मिक समिट वाराणसी के रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। यह समिट 18 से 20 जुलाई तक चल रहा है। हरियाणा से नेहरू युवा केंद्र (निफा) की ओर से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता व अंबाला प्रधान सुनैना गुप्ता के नेतृत्व में सिरसा शाखा से विनोद कुमार व राजेंद्र, करनाल शाखा से नीरू देवी और जगदीप कटारिया इस समिट में भाग ले रहे हैं। सुनैना और नीरू ने निफा के संस्थापक अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नू व राज्य अध्यक्ष श्रवण शर्मा को अपनी भागीदारी की जानकारी दी। 20 जुलाई को समिट में काशी घोषणापत्र जारी होगा, जिसमें नशामुक्त भारत के लिए राष्ट्रीय युवा नेतृत्व की रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी। समिट में डॉ. मनसुख मंडाविया, गजेंद्र सिंह शेखावत, डॉ. वीरेंद्र कुमार, नित्यानंद राय, रक्षा खड़से, गिरीश यादव, असीम अरुण व नितिन अग्रवाल जैसे केंद्रीय व राज्य मंत्री भी शामिल हैं।

सनातन धर्म मंदिर में सावन महोत्सव की धूम

करनाल। रामनगर स्थित सनातन धर्म मंदिर में श्रावण मास के अवसर पर 'ॐ नमः शिवाय' जाप परिवार द्वारा आयोजित सावन महोत्सव में भक्ति और उल्लास का संगम देखने को मिल रहा है। यह आयोजन प्रतिदिन रात्रि 8 से 10 बजे तक भजन-कीर्तन के साथ हो रहा है, जिसमें श्रद्धालु रुद्राभिषेक कर शिव भक्ति में लीन हो जाते हैं और नाच-गाकर माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देते हैं। यह धार्मिक परंपरा पिछले कई वर्षों से अनवरत चल रही है। इस वर्ष आयोजन में विशेष सहयोग भारत विकास परिषद करनाल शाखा के प्रधान सतीश मल्होत्रा यजमान के रूप में दे रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राजेश चौधरी की उपस्थिति रही, जबकि पूजा-अर्चना का विधिवत संचालन पुजारी कृष्णाचार्य जी द्वारा कराया गया। कार्यक्रम की मुख्य कलाकार संगीता आनंद ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति में डुबो दिया।

प्रताप पब्लिक स्कूल में लघु नाटिका का मंचन

तरावड़ी। प्रताप पब्लिक स्कूल में छात्रों ने सांस्कृतिक विरासत विषय पर एक संदेशप्रद लघु नाटिका प्रस्तुत कर सभी को अपनी समृद्ध परंपराओं और स्वस्थ जीवन शैली के महत्व से अवगत कराया। नाटिका का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जोडना, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों को समझाना तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। इस नाटिका में एक विशेष दृश्य के माध्यम से बच्चों ने नशे के दुष्प्रभावों को बहुत सरल और सांकेतिक रूप में दिखाया तथा यह संकल्प लिया कि वे हमेशा सकारात्मक संगत चुनेंगे और नशा जैसी आदतों से दूर रहेंगे। मंच पर पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य की झलक, स्वस्थ जीवन शैली को दर्शाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की निर्देशिका पिथी चौधरी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, कि हमारी संस्कृति कोई बोझ नहीं, बल्कि जीने की कला है। जिस प्रकार बच्चों ने त्योहारों, लोककलाओं, वेशभूषा और कहानियों के माध्यम से अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश दिया, वह बहुत प्रेरक है इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों ने जिस सहजता से हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया।

मंगल पांडे की जयंती पर स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में प्रतियोगिता परीक्षा का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

घरौंडा स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में भारत विकास परिषद के सहयोग से शनिवार को 1857 की क्रांति के क्रांतिकारी मंगल पांडे की जयंती पर प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया।जिसमें लाइब्रेरी के 57 पाठको ने भागीदारी की। प्रतियोगिता में अव्वल आने वाले पाठकों को सम्मानित भी किया गया और सभी बच्चों को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।सभी बच्चों को लकी कूपन वितरित किए गए जिसमें एक बिटिया शिक्षा का लकी कूपन निकला जिसे संस्था द्वारा विशेष उपहार देकर सम्मानित किया भी गया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद सें धीरज भाटिया, मुनीष गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, ईश्वर गुप्ता, चांद पहल, दीपक शर्मा,,हरीश गर्ग,अतुल आर्य, गौरव गोयल, विशेष रूप से उपस्थित रहे। व मंच का संचालक सचिव दीपक शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लाइब्रेरियन सन्दीप लोहट ने सर्वप्रथम सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि दर्जनों गांव के लगभग 80से 85 युवा हरोज लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए आते हैं। लाइब्रेरी में अभी तक 25 से अधिक पाठकों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हो चुका है।लाइब्रेरी में पाठकों की आवश्कताओं को ध्यान में रखते हुए समय समय पर कई प्रतियोगिता भी कराई जा रही हैं जिससे लाइब्रेरी में प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वालें पाठकों को स्वयं का मूल्यांकन करने में सहायता होती है। आज उसी कड़ी में 1857 की लड़ाई के प्रथम क्रांतिकारी शहीद मंगल पांडे की जयंती पर प्रतियोगिता परीक्षा ली गई जिसमें विन्दम तोमर, संदीप रावल, योगेश, शिवानी,परमजीत,अंतराम, रूमा, पवन,अभिमन्यु, आशा, नेहा, सागर, साहिल भौरिया अव्वल आने पर अतिथियों द्वारा ईनाम देकर सम्मानित किया गया।

गुरबीर सिंह ने की सरकार से डोप टेस्ट कराने की मांग

करनाल। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीपीसी) के कुछ सदस्यों पर नशाखोरी के आरोप लगाते हुए कमेटी के कनिष्ठ उपाध्यक्ष गुरबीर सिंह तलाकौर ने सरकार से मांग की है कि पूरे जनरल हाउस व कार्यकारिणी का डोप टेस्ट करवाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी सदस्य नशे का दोषी पाया जाता है तो उसकी सदस्यता तुरंत रद्द की जानी चाहिए। गौरतलब है कि 19 जनवरी 2025 को हुए गुरुद्वारा चुनावों के बाद कुल 49 सदस्य कमेटी में शामिल किए गए थे। संगत से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ सदस्य नशे का सेवन करते हैं, जो कि गुरुद्वारा अधिनियम 2014 के नियमों के विरुद्ध है। गुरबीर सिंह ने कहा कि सभी सदस्यों का डोप टेस्ट होना सिख संगत की अपेक्षा है और इससे पारदर्शिता बनी रहेगी।

जनता सरकारी योजनाओं का लाभ उठाए : भगवानदास कबीरपंथी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने समान विकास, बिना भेदभाव, बिना पर्ची बिना खर्ची के रोजगार, सरकार की व्यक्ति को मिले ऐसी व्यवस्था देने का काम किया है। सीएम और प्रत्येक योजना का लाभ उचित उनकी टीम पक्षपात की राजनीति से ऊपर उठकर सभी वर्गों के लिए कार्य कर रहे हैं। कबीरपंथी ने कहा कि नायब सरकार ने उन दलालों की दुकान पर ताले लगा दिए हैं जो पिछली सरकारों के दौरान पनपे थे और अपनी दुकानदारी चला रहे थे। आनलाइन पालिसी अपनाकर नायब सरकार ने जनता को राहत देने का काम किया है। हल्के के विधायक भगवानदास कबीरपंथी अपने निवास स्थान पर लोगों की जनसमस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के समग्र और समान विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार हरियाणा को आत्मनिर्भर, समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए हर क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। विधायक कबीरपंथी ने जनता से आग्रह किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने क्षेत्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कबीरपंथी ने कहा कि प्रदेश की जनता, भाजपा कार्यकर्ता केंद्र की मोदी सरकार व हरियाणा की नायब सरकार के राज में खुश हैं। कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में पूरे हरियाणा प्रदेश का एक समान विकास हो रहा है।

तरावड़ी। विधायक भगवानदास कबीरपंथी लोगों की जनसमस्याएं सुनते हुए।

पावरलिफ्टिंग के लिए एचएसजीपीसी बनाएगी अकादमी: जत्थेदार झिंडा

- झिंडादो दिवसीय 'इंडियाज स्ट्रांगेस्ट मैन एंड वुमन' प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल की नई अनाज मंडी स्थित शेड नंबर-3 में राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय 'इंडियाज स्ट्रॉंगेस्ट मैन एंड वुमन' प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्ट्रॉंग मैन इंडिया और चैलेंज पावर लिफ्टिंग अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीपीसी) के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झिंडा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि झिंडा ने आयोजक अंग्रेज सिंह की ओर से रखी गई पावरलिफ्टिंग अकादमी की मांग को सहर्ष स्वीकार करते हुए घोषणा की कि वह इसके लिए पूर्ण सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन के लिए जमीन का चयन किया जाए, एचएसजीपीसी वहां अकादमी का निर्माण कराएगी। झिंडा ने यह भी जानकारी दी कि कमेटी जींद में एक विश्वविद्यालय स्थापित करेगी, जिसमें खेल अकादमी भी शामिल होगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि चयनित खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भेजा जाएगा। आयोजन समिति के सदस्य राजेश कलसोरा, अंग्रेज सिंह, संजीव भास्करन और आशीष जैन ने बताया कि प्रतियोगिता 20 जुलाई तक चलेगी।

डाइट शाहपुर में नेतृत्व प्रशिक्षण का समापन

करनाल। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), शाहपुर द्वारा आयोजित 12 दिवसीय नवपदोन्नत प्राचार्य नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रोहतास वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर डाइट प्रभारी मुनीश कुमार और अन्य शिक्षाविदों ने प्राचार्यों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्जल भविष्य की कामना की। समापन समारोह में विद्यालय प्रमुखों की भूमिका, सामाजिक जिम्मेदारियां और प्रशासनिक दक्षता जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. देवेंद्र शर्मा द्वारा फीडबैक प्रस्तुति से हुई। प्रभारी मुनीश कुमार ने प्राचार्यों को प्रेरित करते हुए नेतृत्व में नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। वहीं, डॉ. ईश्वर सिंह ने नशा उन्मूलन में विद्यालयों की भूमिका पर बल दिया। खंड शिक्षा अधिकारी, इन्द्री धर्मपाल चौधरी ने मिड डे मील योजना की निगरानी संबंधी बिंदुओं पर जानकारी साझा की। कार्यक्रम संचालन में प्रधानाचार्य अनीता (पीएम श्री जीएसएसएस), डॉ. नरेंद्र कुमार (भोजन व्यवस्था), और राजकुमार (उपस्थिति पंजीकरण) का योगदान सराहनीय रहा।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की रैली कल

करनाल। मिड डे मील वर्कर यूनियन हरियाणा की ओर से 21 जुलाई को करनाल में जिला स्तरीय रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली मिड डे मील वर्करों की लंबित मांगों को लेकर आयोजित की जा रही है, जिसमें जिले भर की सैकड़ों महिला वर्कर भाग लेंगी और सरकार पर मांगों को लागू करने का दबाव बनाएंगी।रैली की तैयारी को लेकर शनिवार को एक रणनीतिक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान शिमला देवी ने की। बैठक में कैशियर ओपी माटा, अनीता, कविता और मूर्ति समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सरकार बार-बार आश्वासन देती है लेकिन वर्करों की सुध नहीं ली जाती। इसी कारण 3 अगस्त को पानीपत में शिक्षा मंत्री का घेराव भी किया जाएगा। शिमला देवी ने बताया कि वर्करों की प्रमुख मांगों में 12 माह का वेतन आदि मांगें हैं।

धार्मिक आयोजन

अग्रवाल धर्मशाला मे चल रही श्री मदभागवत कथा का पांचवें दिन

भागवत कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है: आचार्य कृष्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

श्रावण मास के उपलक्ष्य मे नगरवासियों के सहयोग से अग्रवाल धर्मशाला मे शहर की सुख शान्ति के लिये श्रीमदभागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा व्यास आचार्य कृष्ण जी वृन्दावन वाले ने पांचवें दिन शनिवार की कथा को आगे बढ़ाते हुए में कहा कि बृज में हर साल इन्द्र देवता की पूजा करते थे, लेकिन श्री भगवान कृष्ण कहा कि हम इस बार गोवर्धन पूजा करेंगे। जब बृजवासियों ने भगवान श्री कृष्ण कहा कि भगवान इंद्र हमारी रक्षा करते हैं अगर हम उनकी पूजा नही करेंगे वह रुष्ट हो जाएंगे, तो भगवान श्री कृष्ण ने कहा जिसकी हम पूजा करेंगे। वहीं हमारी रक्षा करेंगे तभी इन्द्र देवता नाराज हुए ओर उन्होंने इतना पानी बरसाया कि बृज भू मंडल डूबने लगा। तभी सभी बृजवासी श्री कृष्ण की शरण में गए ओर बचाने की गुहार लगाई। तभी भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाया ओर बृज वासियों की रक्षा की। आज हम सब गोवर्धन पूजा हर साल करते हैं ओर भगवान श्री कृष्ण जी को छप्पन भोग लगाया। कथा ब्यास ने कहा कि भागवत कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। आज की कथा मे उद्योगपति अनिल गर्ग मुख्य रूप से कथा वाचक श्री कृष्ण वृन्दावन वाले का फूलमाला से स्वागत किया ओर आशीर्वाद लिया। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास द्वारा बीच-बीच में सुनाए गए भजन पर श्रोता भाव विभोर हो गए। इस मौके पर जय प्रकाश भारद्वाज, कमलेश गुप्ता, रणजीत भारद्वाज, सुरिंदर छाबड़ा, बलदेव गिरधर, रमेश गुप्ता,भुषण मित्तल, अर्जुन भारद्वाज,राम मूर्ति देवी,नीलम रानी, कुसुम गोयल, पूर्णा रानी, ज्योति, भावना, उषा रानी, आशा गिरधर, मुन्नी बाला, शीला, बाला मगंला आदि उपस्थित रहे।

तरावड़ी। उद्योगपति अनिल गर्ग कथा व्यास प .आचार्य कृष्ण महाराज वृंदावन वाले स्वागत करते हुए कथा मे उपस्थित माहिलायें पुरूष श्रद्धालुगण।

खबर संक्षेप

भैंस की हत्या करने वाले पकड़े

पानीपत। थाना सनौली पुलिस ने गढ़ी बेसिक गांव में मीट के लिए भैंस की हत्या करने के दो आरोपियों गांव गढ़ी बेसिक निवासी शखील उर्फ शकील व यूपी के शामली जिले के कांधला निवासी इसरार को गिरफ्तार किया है। थाना सनौली प्रभारी संदीप ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से चाकू, छुर्री, कुल्हाड़ी बरामद किए, जबकि घटनास्थल से भैंस की पूंछ, मुंह, पैर इत्यादी अवशेष पड़े मिले। वहीं, एक आरोपी काला फरार हो गया। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 325 व पशु क्रुरता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

पानीपत से किशोर लापता, केस दर्ज

इसराना। पानीपत के गांव जोशी निवासी 17 वर्षीय नाबालिग लड़की संदिग्ध हालात में लापता हो गई। वहीं परिजनों ने लड़की की हर संभावित स्थल पर तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इधर, लडकी के पिता की शिकायत पर मतलौडा थाना पुलिस ने लडकी की गुमशुदी का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पानीपत के युवक ने जहर खाया

पानीपत। पानीपत में 18 वर्षीय जुनैद हैदर मूल निवासी बिहार का सिविल अस्पताल में उपचार चल रहा है। जुनैद के शरीर पर जहर का दुष्प्रभाव है। वहीं जुनैद के के फुफेरे भाई वाजिजुल ने बताया कि जैनेद दो माह पहले ही पानीपत आया था।

जुआरियों से 45 हजार रुपये मिले

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने कृष्णपु शमशान घाट के पास जुआ खेल रहे विनोद पुत्र कर्मबीर, सोनू पुत्र मोहनलाल. महाबीर पुत्र सत्यनारायण व महाबीर कॉलोनी निवासी जोनी पुत्र जनेश्वर को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से जुआ खेलने में प्रयुक्त एक जोड़ी ताश पत्ते व दाव पर लगी 44 हजार 950 रुपये की नगदी बरामद हुई है। सीआईए वन प्रभारी संदीप ने बताया कि आरोपियों पर केस दर्ज किया गया है।

पानीपत से युवती लापता, तलाश शुरू

इसराना। पानीपत के गांव बलाना में प्राइवेट फैक्टरी में कार्य करने वाले व्यक्ति की 22 वर्षीय बेटी संदिग्ध हालात में लापता हो गई। वहीं परिजनों ने लडकी की हर संभावित स्थल पर तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इधर, लड़की के पिता की शिकायत पर इसराना थाना पुलिस ने लडकी की गुमशुदी का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

शराब तस्करी करते दो आरोपी पकड़े

पानीपत। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने गंगाराम कॉलोनी निवासी अमरजीत पुत्र कामेश्वर के रूप में बताई। मौके से 18 बोतल, 24 अध्धे व 48 पव्वे अवैध देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि थाना समालखा पुलिस टीम ने समालखा वार्ड नंबर आठ निवासी गौरव पुत्र जसबीर को 33 पव्वे देसी अवैध शराब के साथ पकडा है। आरोपियों पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नन्हें छात्रों ने धमाल किया

पानीपत। आसरा फाउंडेशन की टीम ने हाली अपना स्कूल के बच्चों के साथ खूब मस्ती की। वहीं बच्चों को ज्योमेट्री बॉक्स, पेंसिल्स, स्केल, रब्बर, शार्पनर, स्केच कलर्स के पैकेट्स, इलेक्ट्रानिक एलसीडी राइटिंग पैड्स, कलर्ड पेंस और रजिस्टर्स व खाद्य पदार्थ भेंट किए। इस अवसर पर आसरा टीम से अन्वी शिंगला, राघव अरोड़ा, सहज गोयल, धुरव बजाज, कार्तिक सिंगला, जोशिआमा कालरा, लक्ष्य जैन, महक , अक्षत सिंगला आदि मौजूद रहे।

हरियाली तीज का पर्व धूमधाम से मनाया

पानीपत। आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल में हरियाली तीज पर्व उल्लास से मनाया गया। मुख्य आकर्षण अंतर सदन रंगोली, नृत्य, मेहंदी, गायन, नेल आर्ट इत्यादि प्रतियोगिताएं रही। इस अवसर पर विद्यालय में विद्यालय की प्रबंधक समिति से मोना सिंगला, रुचिका गर्ग, रेनू गर्ग, रश्मि गर्ग, किरण , निकिता, कमलेश मौजूद रहे।

चार महीने पहले हुई थी लव मैरिज

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला घर जमाई का शव, हत्या का अरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

■ परिजनों ने काबडी रोड पर यातायात जाम कर रूबी व उसके परिजनें पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की

पानीपत में शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक पर 28 वर्षीय पुरूषोत्तम हाल निवासी राज नगर, मूल निवासी गांव काबडी जिला पानीपत का शव पड़ा मिला। पुरूषोत्तम ने चार माह पहले ही रूबी से प्रेम विवाह किया था और अपनी ससुराल में ही घरजमाई बनकर रह रहा था। पुरूषोत्तम के परिजनों ने रूबी व इसके परिजनों पर पुरूषोत्तम की हत्या कर शव को रेलवे लाइन पर फैंकने का आरोप लगाया। वहीं परिजनों ने काबडी रोड पर यातायात जाम कर रूबी व उसके परिजनें पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने बताया कि रूबी एक निजी बैंक में काम करती है। शादी के बाद ही रूबी, पुरुषोत्तम को साथ लेकर अपने मायके चली गई थी। तब से पुरुषोत्तम वहीं पर घर जमाई बनकर रह रहा था। परिजनों का आरोप है कि रूबी व उसके परिजन, पुरुषोत्तम को घर नहीं आने देते थे और बात भी नहीं करने देते थे। इधर, पुराना औद्योगिक थाना पुलिस ने बताया कि पुरूषोत्तम का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। ट्रेन से कटने से उसकी मौत हुई है। इधर, जीआरपी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक ने सुसाइड किया

पानीपत। पानीपत की बतरा कॉलोनी में 19 वर्षीय विमल कुमार मूल निवासी हरदोई, उत्तर प्रदेश ने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने एफएसएल की टीम से भी शव व घटनास्थल की जांच करवाई। इधर, पुलिस ने विमल के शव का पोस्टमार्टम करवाया इस मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के भाई विकास से भी पुलिस ने इस मामले की जानकारी ली और पोस्टमार्टम के बाद विमल का शव उसे सौंप दिया।

पुलिस की सुरक्षा में बांटा किसानों को यूरिया

■ यूरिया की खरीद के लिए किसानों की लंबी कतारें लगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

समालखा में पुलिस की सुरक्षा के बीच किसान यूरिया लेते हुए।

समालखा की नई अनाज मंडी स्थित न्यू कोऑपरेटिव सोसाइटी पर पुलिस की सुरक्षा के बीच किसानों को यूरिया उर्वरक की बिक्री शुरू कर दी है। वहीं यूरिया की खरीद के लिए किसानों की लंबी कतारें लगी है। किसानों को जैसे ही खाद मिलने की जानकारी मिली, शनिवार की सुबह छह बजे से ही लाइन लगना शुरू हो गई। खाद वितरण सुबह दस बजे से शुरू हुआ।

वहीं, गांव गढ़ी छज्जू, कपूर ढोडपुर के किसानों ने बताया कि अन्य दुकानों पर खाद खरीदने पर उन्हें उतनी ही कीमत की दवाई भी खरीदनी पड़ती है। किसानों का कहना है कि इतनी दवाई का वे क्या करेंगे और प्रशासन में इस समस्या को सुनने वाला कोई नहीं है। किसानों ने बताया कि गर्मी में किसानों के लिए पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं की गई। इधर, कोऑपरेटिव सोसाइटी के मैनेजर आजाद सिंह ने बताया कि किसानों की मांग के अनुसार यूरिया के सात हजार कट्टों की मांग भेजी गई थी। वहीं तय नियमों के अनुसार किसानों को यूरिया की बिक्री तेजी से की जा रही है।

शिक्षा इंसान की तरक्की की राहः भड़ाना

■ चूहड़ सिंह छोकर पूर्व विधायक की प्रतिमा का अनावरण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

पानीपत। पानीपत के गांव नारायणा में कार्यक्रम में शिरकत करते हुए विधायकगण आदि।

गांव नारायणा में समालखा के विधायक मनमोहन भड़ाना एवं लोनी के विधायक नंद किशोर गुर्जर द्वारा सरकारी स्कूल का नाम नारायणा गांव निवासी पूर्व विधायक स्वर्गीय चूहड़ सिंह छोकर जो संयुक्त पंजाब के विधायक थे के नाम से किया गया। वहीं चूहड़ सिंह छोकर पूर्व विधायक की प्रतिमा का भी अनावरण किया और लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। विधायक मनमोहन भड़ाना ने कहा कि चूहड़ सिंह ने विधायक के रूप में जनता की सेवा की थी। उन्होंने कहा कि शिक्षा इंसान की तरक्की की राह है। कार्यक्रम में अतिथि विधायक मनमोहन भढ़ाना, नंद किशोर गुर्जर, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के भाई हरपाल ढांडा, भाजपा नेता रोशन लाल माहला, समालखा शहर की भाजपा अध्यक्ष रेखा संजय गोयल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जयपाल छोकर समालखा के पार्षद संजय गोयल, सोनू पट्टीकल्याणा, दीपक चोपड़ा, संजय नरवाल, अनिल बेनीवाल, नरेश बेनीवाल आदि उपस्थित रहे।

पानीपत क्लब में बैडमिंटन टूर्नामेंट में दम दिखा रहे हैं खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत क्लब में चल रही 14वीं जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के तीसरे दिन महिला व पुरूष वर्गों के तहत अंडर 11, 13, अंडर 15, अंडर 17 व मास्टर्स पुरुष एकल और युगल मुकाबले खेले गए। आज खेले गए मुकाबलों में दिशांत व विकास की जोड़ी, कार्तिक मलिक और आदित्य मलिक की जोड़ी, भविष्य अहलावत और भक्ति की जोड़ी, ईशान और लवीश की जोड़ी ने जबकि लड़कियों में यस्वी व सनवी और यशवी सैनी ने, मास्टर्स में अरुण गर्ग और शरवन की जोड़ी ने व राजेश कुमार और परवीन कादियान व राकेश मलिक और प्रेम की जोड़ी ने फाइनल में जगह बनायी। इस अवसर पर प्रधान जुगल डावर, महासचिव मुकेश मदान, सतीश महाजन, अशोक गोयल, ओम प्रकाश रनोलिया, सहदेव विज, वाइस प्रेसिडेंट दिनेश संदूजा, दीपक बजाज, मुकेश तलवार, अभिषेक वत्स, नितिन अरोड़ा, विपिन शर्मा, राजीव मलिक आदि उपस्थित रहे।

श्री श्याम बाबा सेवा मंडल के पदाधिकारी, भाजपा नेता नरेश बैनीवाल को सम्मानित करते हुए।

कांग्रेस ने जनता का शोषण किया : नरेश

समालखा। श्री श्याम बाबा सेवा मंडल समालखा के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा नरेश बैनीवाल को जिला सचिव भाजपा पानीपत व सदस्य कष्ट निवारण समिति पानीपत बनाए जाने पर उनका पटका पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया गया। वहीं, नरेश बैनीवाल ने कहा भाजपा हर वर्ग की हितैषी पार्टी है। वहीं प्रदेश में भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के हित के लिए कल्याणकारी कार्य कर रही है। जबकि कांग्रेस जनता को वोट बैंक समझती थी और अपने सत्ता में जनता का हर तरह से शोषण करती थी। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए भाजपा हाईकमान का आभार जताया। इधर, प्रधान सुभाष गोयल, विजय जैन, राधेश्याम जिंदल, प्रेम चंद सैनी, विनीत जैन, विकास जैन, रोकी वर्मा, मनीष, संदीप, विक्की आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट सेवा करने वाले पुलिस अफसर सम्मानित

■ सम्मान समारोह का आयोजन आईओसीएल के सहयोग से किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। पानीपत पुलिस की सीआईए थ्री के सम्मानित 11 अधिकारियों व कर्मचारियों प्रसन्न मुद्रा में। फोटो :हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने पर सीआईए थ्री के 11 अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया। सम्मान समारोह का आयोजन आईओसीएल के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर आईओसीएल के जीएम विशाल गौरख, डीजीएम संजय सिंह, सीनियर मैनेजर हंसराज मीना, एसपी रीडर एएसआई सुभाष, पीआरओ अनिल व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहें। यह सम्मान रिफाइनरी पाइप लाइन से तेल चोरी के मामलों में फरार पांच हजार के इनामी आरोपी यूपी के बागपत जिला के बोडा गांव निवासी संदीप को बीते दिनों यूपी से पकड़ने वाली टीम का हिस्सा रहें इंस्पेक्टर विजय, सब इंस्पेक्टर संदीप, एएसआई रविंद्र, ईएसआई शमशेर, हवलदार सतीश, हवलदार नवीन, हवलदार संजय, हवलदार निशान, ईएचसी धर्मवीर, ईएचसी परवेश व सिपाही सहदेव को दिया गया है। आरोपी के खिलाफ पाइप लाइन से तेल चोरी के समालखा थाना में तीन मामलें दर्ज थे।

सूरज फिर बने प्रधान

पानीपत। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता सेवा समिति की बैठक शनिवार को गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद के सान्निध्य में संपन्न हुई। जिसमें सूरज दुरेजा को अगले दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से समिति का प्रधान चुन लिया गया। इस अवसर पर चंद्रशेखर शर्मा, विभु पालीवाल, विकास गोयल, सुरेश अरोड़ा, अंकुश बंसल, विकास गोयल, अनिल मदान, रविन्द्र सैनी, प्रीतम गुर्जर राजू शर्मा समेत बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

एसपी ने महिला व साइबर क्राइम थानों का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। पानीपत के पुलिस कप्तान थानों के जांच के दौरान अधिकारियों से जानकारी लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने शनिवार को महिला थाना व साइबर क्राइम थाना का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने थाने के रिकार्ड के रजिस्टर व फाइलों की जांच करने के साथ ही बैरिक, मैस व मालखाना का जायजा लिया और खामियों को जल्द पूरा करने और महिला विरूद्ध अपराध व साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण उपरांत उन्होंने क्राइम कंट्रोल के संबंध में पर्यवेक्षण अधिकारी, थाना प्रबंधक व अनुसंधानकर्ताओं की थाना में क्राइम मीटिंग लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मीटिंग में डीएसपी सुरेश कुमार सैनी, महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रेखा, साइबर क्राइम थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर अजय, एसपी रीडर एएसआई सुभाष व दोनों थानों में तैनात अनुसंधानकर्ता उपस्थित रहें। एसपी सिंह ने थाना प्रबंधक व अनुसंधानकर्ताओं को निर्देश दिए कि लंबित मामलों के निस्तारण के लिए आरोपियों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया जाए। दर्ज किसी भी मुकदमें की जांच बेवजह लंबे समय तक पेंडिंग न रखें। थाना में शिकायत लेकर आने वाली प्रत्येक महिला व व्यक्ति की अच्छे से सुनवाई कर तय समय के दौरान उचित कार्रवाई करें।

आईबी कॉलेज में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप में जांचा स्वास्थ्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक, अथितियों को स्मृति चिंह भेंट करते हुए।

आईबी कॉलेज एवं उजाला सिग्नस महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल पानीपत के सौजन्य से शनिवार को फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया । इस कैंप में कॉलेज के प्राध्यापको और लगभग 150 लोगों का फ्री चेकअप किया गया। इस शिविर का आयोजन महाविद्यालय के यूथ रेड क्रॉस, एन. एस. एस, रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। हेल्थ कैम्प का उद्घाटन प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक एवं डॉक्टर्स द्वारा रिबन काटकर किया गया। प्राचार्या डॉ शशि प्रभा मलिक, डॉ. निधान सिंह , डॉ.विक्रम कुमार, प्रो. अजयपाल सिंह , डॉ. जोगेश, डॉ. प्रवीण कौशिक, खुशबू द्वारा चिकित्सकों को सम्मान का प्रतीक पौधा देकर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबन्धन समिति के महासचिव एलएन मिगलानी, युधिष्टिर मिगलानी, रवि गोसाईं, चंद्रशेखर आदि ने कैम्प के आयोजन की सराहना की। कैंप में डॉ आशीष सहगल, डॉ. रेनू डॉ कुणाल, डॉ. प्रवीण, डॉ. आसिफ डॉ. अंजलि डॉ. सुनित शर्मा, कनक, डॉ. स्वाति, डॉ. नेहा पुनिया, डॉ. ज्योति गहलोट, डॉ. नीतू ने स्वास्थ्य जांचा।

पानीपत शहरी व ग्रामीण अंचल में कांवड़ियों का आवागमन लगातार तेज हो रहा

कांवड़ियों की सेवा में जुटे पानीपत के शिव भक्तजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

■ शिवभक्त सतनाम सिंह कांवड ले जाते हुए।

■ शिव भक्तों को लंगर दिया गया

पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल में कांवड़ियों का आवागमन लगातार तेज हो रहा है। वहीं पानीपत के शिव भक्त कांवड़ियों की सेवा में जुटे है। इधर, हरिद्वार हाईवे पर हरियाणा-यूपी बार्डर के पास स्थित शिव लाल मंदिर बबैल वाला में गत 11 जुलाई से चल रहे 15वें कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ हुआ और शिव भक्तों को लंगर दिया गया।

इस शिविर में कांवड़ियों की सेहत का ध्यान रखते हुए उन्हें खाने, ठहरने आदि की सभी सुविधाओं से साथ-साथ जूस व दूध की सेवा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर दलबीर अहलावत दिल्ली पुलिस, संदीप अहलावत, नरेश सिंगला, रत्न लाल सिंगला, मोहन लाल सिंगला, बन्टी अग्रवाल, राम मेहर कौशिक, मुकेश भारद्वाज, करतारा अहलावत आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ट्रक चालक 251 लीटर गंगा जल लेकर आया

इधर, पानीपत के गांव नारा के रहने वाले ट्रक ड्राइवर सतनाम सिंह भक्ति से शक्ति की मिसाल पेश कर रहे हैं। भगवान शिव में अटूट भक्ति रखने वाले सतनाम अकेले ही बग्गी कांवड़ खींचते हुए हरिद्वार से गंगा जल लेकर निकले हैं। वे हर की पौड़ी से 251 लीटर गंगा जल लेकर आएं और गांव के शिव मंदिर में शिवलिंग पर चढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि गांव की सुख, शांति और समृद्धि की कामना के साथ उन्होंने ये बीड़ा उठाया है।

हैदराबाद में पानीपत के आयुष को सिल्वर मेडल मिला

आईआईटी हैदराबाद में आयुष दुआ को सम्मानित करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

पानीपत। पानीपत के होनहार छात्र आयुष दुआ ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटी) से बीटेक की डिग्री प्राप्त करते हुए संस्थान के 14वें दीक्षांत समारोह में सिल्वर मेडल प्राप्त कर देश भर में हरियाणा, पानीपत, अपना व अपने परिवार का नाम रोशन किया है। वहीं आयुष को यह सम्मान शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन और समर्पण के लिए प्रदान किया गया। यह मेडल दीक्षांत समारोह में मुख्याथिति भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आयुष को प्रदान किया और उसकी जमकर सरहाना की। वर्तमान में आयुष एमटेक कर रहे हैं और विभिन्न अनुसंधान प्रोजेक्ट्स पर कार्यरत हैं।

खबर संक्षेप

गर्भवती किशोरी को गर्भपात की मंजूरी

अंबाला। महेश नगर थाना क्षेत्र में दुष्कर्म का शिकार हुई किशोरी को गर्भ गिराने की अदालत से अनुमति मिल गई है। पांच माह की गर्भवती किशोरी को महिला विशेषज्ञ सहित अन्य डॉक्टरों की निगरानी में नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। यहां उसका गर्भपात किया जाएगा। पीड़िता की उम्र कम होने के कारण बेहद सावधानी बरती जा रही है। महेश नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र ढिल्लो ने बताया कि गर्भपात की कोर्ट से अनुमति मिल गई है।

तोलाई में गड़बड़ी पर कोर्ट जाने की तैयारी में किसान

अंबाला। अनाज मंडी में धान और सूरजमुखी की फसलों की तोलाई व बिक्री में गड़बड़ी के विरोध में किसान नेताओं ने अब अदालत जाने की तैयारी कर ली है। किसानों ने कहा कि हाल ही में हुए सूरजमुखी के मामले में अगर सरकार ने कोई सख्त कदम नहीं उठाया तो किसान यूनियन अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। इस मामले में जिला प्रशासन को पार्टी बनाया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के प्रधान गुरमीत सिंह माजरी ने कहा कि अगर सरकार ने इस मामले में उचित कदम नहीं उठाया तो इसका सीधा मतलब यह होता है कि सरकार भी अधिकारियों व आढ़तियों के साथ मिलकर किसानों के साथ धोखा कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर लाखों की ठगी

अंबाला। बेटी को ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर किसान से इमीग्रेशन सेंटर संचालक ने साढ़े 12 लाख रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में पुलिस ने कंपनी के एमडी समेत छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है। इस मामले में शिकायतकर्ता अमीपुर गांव के मंजीत कुमार ने बताया कि वह खेती करते हैं।

देवी देवताओं की तस्वीरों पर जताया ऐतराज

अंबाला। पुरानी अनाज मंडी में बीड़ी के पैकेट और अन्य उत्पादों की पैकेजिंग पर हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें छापे जाने को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल ने कड़ा एतराज जताया है। संगठन का कहना है कि यह सीधे तौर पर हिंदू आस्था का अपमान है और इससे करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की भावनाएं आहत हुई हैं। इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित दुकानदारों और उत्पाद वितरकों को घेरा और मौके पर पुलिस को भी बुला लिया।

मेडिएशन फॉर दि नेशन की शुरुआत

अंबाला। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रवीण ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष जन जागरूकता अभियान मेडिएशन फॉरथेनेशन की शुरुआत की गई है। यह अभियान देश के न्यायिक तंत्र पर बढ़ते बोझ को कम करने और जनता को त्वरित, सरल, सुलभ तथा सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराने के लिए मध्यस्थता (मेडिएशन) को महत्व को रेखांकित करता है।

पूर्व विधायक बोले-हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता

गांव खानपुर राजपुतान में खत्म होगी पेयजल समस्या, ट्यूबवेल का उद्घाटन

ट्यूबवेल ग्रामीणों को स्वच्छ व सुचारु जल आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

नारायणगढ़। नए ट्यूबवेल का उद्घाटन करते पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

गांव खानपुर राजपुतान में भाजपा नेता व पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने पब्लिक हेल्थ ट्यूबवेल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ भेंट उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। यहां डॉ. पवन सैनी ने कहा कि गांव के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ट्यूबवेल ग्रामीणों को स्वच्छ व सुचारु जल आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। सैनी ने कहा कि इस ट्यूबवेल के चालू होने से पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। यह परियोजना सरकार की उस नीति का हिस्सा है। इसके तहत गांवों में नागरिकों को बुनियादी आवश्यकताएं जैसे जल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क व स्वच्छता की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के कुशल नेतृत्व में राज्य तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर है। वर्तमान सरकार शहरों के साथ साथ गांव-गांव में विकास की गंगा बहा रही है और सभी क्षेत्रों में समान रूप से कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में पारदर्शी और जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से कार्य किए जा रहे हैं। सरकारी संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचे। ग्रामवासियों से संवाद करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि वे खुद प्रत्येक विकास कार्य की निगरानी करते हैं ताकि गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन हो। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि आने वाले समय में गांव खानपुर राजपुतान को हर आवश्यक सुविधा से युक्त किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पवन सैनी ने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि उनका सहयोग, स्नेह और आशीर्वाद ही उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है ओर वे आगे भी क्षेत्र की सेवा में समर्पित रहेंगे।

विकास में भागीदार बनें और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़े

उन्होंने बताया कि सरकार की सोच और योजना ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास की है। इस सोच के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, युवाओं के लिए रोजगार, महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे विकास में भागीदार बनें और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ें। सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर युवा अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत और अन्य विभागीय अधिकारियों की सराहना की जिन्होंने ट्यूबवेल की स्थापना में सहयोग दिया। सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति /"सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास/" पर आधारित है। यही कारण है कि समाज के हर वर्ग, चाहे वह किसान हो, मजदूर, व्यापारी, महिला, युवा या बुजुर्ग सभी के लिए विशेष योजनाएं लागू की गई हैं।

घिच पिच फिल्म एक अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंडीगढ़

- टेक-उद्यमी से फिल्म निर्माता बने अंकुर सिंगला की पहली फीचर फिल्म, 'घिच पिच', सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शानदार विश्व प्रीमियर के बाद, इस 1 अगस्त को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

इस साल की शुरुआत में प्रतिष्ठित सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शानदार विश्व प्रीमियर और 9.7 की असाधारण IMDB रेटिंग के बाद, 'घिच पिच', एक रोमांचक नई युवावस्था पर आधारित ड्रामा, 1 अगस्त, 2025 को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है—भारी जनता की मांग पर। 1990 के दशक के उत्तरार्ध के चंडीगढ़ में स्थापित, "घिच पिच" तीन किशोर लड़कों की मार्मिक कहानी है जो बड़े होने, दोस्ती, विद्रोह और अपने पिता के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के जटिल भावनात्मक दौर से गुज़रते हैं। समृद्ध परिवेश और पुरानी यादों से सराबोर, यह फिल्म एक ऐसे शहर और एक पीढ़ी को जीवंत रूप से दर्शाती है जो पहचान, अपेक्षाओं और दबी हुई भावनाओं से जूझ रही है।

एक तकनीकी दूरदर्शी से फिल्म निर्माता: यह फिल्म अंकुर सिंगला के निर्देशन और लेखन की शुरुआत है, जो एक पूर्व वकील और तकनीकी उद्यमी हैं, जिन्होंने दिल्ली स्थित एक स्वतंत्र प्रोडक्शन हाउस, बरसाती फिल्म्स की स्थापना करने से पहले, अपनी सफल सिकोइया-समर्थित स्टार्टअप कंपनी अमेजन को बेच दी थी। "घिच पिच, चंडीगढ़ और उन लड़कों के लिए मेरा प्रेम पत्र है जिनके साथ मैं बड़ा हुआ हूँ। यह मेरी अपनी यादों, उस दौर के पालन-पोषण के तरीकों और किशोर लड़कों के मन में आने वाली भावनात्मक उथल-पुथल से प्रेरित है।

135 विद्यार्थियों की आंखें जांची

- सत्रह विद्यार्थियों को चश्में लगाने का दिया सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। स्कूली छात्रों की आंखों की जांच करते हुए विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

सर्वहित स्वास्थ्य समिति द्वारा गांव सौंडा के जगत पब्लिश स्कूल में स्कूली छात्रों तथा उनके अविभावकों की आंखों की जांच की गई। अंबाला शहर के संजीवनी आई एंड मेडिकेयर सेंटर की तकनीकी टीम द्वारा 135 स्कूली छात्रों का साथ साथ उनके अविभावकों की आंखों की जांच की। इस दोरान सोनू,नीतू द्वारा करके उन्हें मुफ्त दवाईयां वितरित की गई। जांच के दौरान 17 बच्चों में दृष्टि दोष पाए जाने पर उन्हें चश्मे लगवाने का सुझाव दिया गया। 4 केस मोतियाबिंद का पाए गए जिनकी सर्जरी संजीवनी आई एंड मेडिकेयर सेंटर में की जाएगी। स्कूल के प्रिंसिपल त्रिलोचन ढींडसा उनके स्टाफ गीता रानी,मेघा, रिचू,हरविंदर,रमनदीप,ममता,अनीता आशा,पूनम, कुश,सेवादार ने कैंप में सहयोग दिया उन्हें प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सोसायटी की ओर से प्रधान योगेश शर्मा, महासचिव अमरनाथ कश्यप,ओमप्रकाश,पूजा कपूर भी मौजूद रही।

डीएवी कॉलेज में 200 पौधों का किया रोपण

- सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. चांद बोले जीवन में हर व्यक्ति करें पौधारोपण, पर्यावरण को बचाना बेहद जरुरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। डीएवी कॉलेज में पौधारोपण करते सॉयल केयर सोसायटी के पदाधिकारी।

अंबाला शहर के डीएवी कॉलेज के प्रांगण में सॉयल केयर सोसायटी द्वारा पौधारोपण किया गया। सबसे पहले सोसाइटी के प्रधान डॉ. चांद सिंह ने वन विभाग के जिला वन अधिकारी राजेश माथुर का आभार व्यक्त किया जिन्होंने सोसायटी की प्रार्थना पर 200 पौधे उपलब्ध करवाए। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर राजीव महाजन ने पौधारोपण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने कहा सॉयल केयर सोसायटी के साथ कॉलेज ने मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग साइन किया हुआ है। उसी कड़ी में कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ है। सोसायटी के उपप्रधान डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। सोसायटी के वित्त सचिव डॉ. जसमेर सिंह ने अपना जन्म दिन पौधा लगा कर मनाया। डॉ. जसमेर ने कहा कि हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए ताकि अपने हिस्से की आक्सीजन का इंतजाम स्वयं करें।

ये रहे मौजूद

सोसायटी के सदस्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि कुछ वर्षों से विश्व में पर्यावरण परिवर्तन के परिणाम हमें दिखाई देने लगे हैं जो की मानव सभ्यता के लिए बहुत ही चिंताजनक हैं। यदि अब भी हम पर्यावरण को लेकर सचेत नहीं होते हैं तो यह रवैया मानव जाति व अन्य जीवों के लिए विनाशकारी सिद्ध होगा। अतः इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए सॉयल केयर सोसायटी की ओर से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर (डॉ) नरेंद्र कौशिक, डॉ. अतिमुक्त जैन, रविंद्र कुमार, प्रोमिला व दीक्षा ने भाग लिया।

ब्लू डे पर नन्हे छात्रों ने मचाया धमाल

- पुलिस डीएवी स्कूल में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम के दौरान डांस करते नन्हे छात्र। फोटो: हरिभूमि

अंबाला शहर स्थित पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के नर्सरी विंग में ब्लू डे धूमधाम से मनाया गया। सभी बच्चें ब्लू ड्रेस पहन कर आए थे। इस ड्रेस वे बहुत ही सुंदर लग रहे थे। इस अवसर पर बच्चे ब्लू कलर के अलग-अलग ऑब्जेक्ट बना कर लाए जिसमें डॉलफिन फिश ,काइट, बैलून, बटरफ्लाई, वेल, बोट,बादल ,रेन ड्रॉप प्रमुख थे । इस दौरान छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। इस अवसर पर नर्सरी क्लास के बच्चों ने बहुत सुंदर डांस की प्रस्तुति दी। कुछ बच्चों ने कविता के माध्यम से ब्लू ऑब्जेक्ट्स को दर्शाया । एलकेजी के बच्चों ने वाटरसाइकिल के विषय में डांस के माध्यम से बताया कि कैसे पानी भांप बनता है उन्होंने डांस के माध्यम से बताया बारिश कैसे होती है । यूकेजी के बच्चों ने अलग-अलग सोंग्स पर नृत्य करके सब का मनमोह लिया बच्चों ने इस कार्यक्रम को बहुत एंजॉय किया। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. विकास कोहली ने बच्चों द्वारा बनाए ब्लू कलर के ऑब्जेक्ट और उनके द्वारा प्रस्तुत डांस और कविता की सरहाना की और बच्चे हमेशा ऐसे ही हंसते खिलखिलाते रहें।

पौधरोपण अभियान चलाया

- अकादमी में छात्रों ने लगाए 200 से ज्यादा पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

बराड़ा। पौधे के साथ स्कूली बच्चे।

अकाल अकादमी होली में शनिवार को 'गो ग्रीन क्लब' के तत्वावधान में एक सफल वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में विद्यालय की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता व जिम्मेदारी को दर्शाया। इस अवसर पर आयोजित एक सभा में स्कूल के शिक्षकों ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष न केवल जलवायु परिवर्तन से लड़ने में सहायक होते हैं बल्कि वे प्रदूषण को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और वातावरण को शुद्ध बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस अभियान के तहत विद्यालय परिसर में 200 से अधिक पौधे रोपे गए। इससे न केवल वातावरण और अधिक हरा-भरा बना, बल्कि विद्यार्थियों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी का व्यावहारिक अनुभव भी मिला। इस पहल ने छात्रों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए उन्हें अपनी धरती को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस अभियान को विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद अनुभव बताया। कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना बचपन से ही विकसित होती है। कार्यक्रम की सभी ने सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रखने की बात कही।

औद्योगिक क्षेत्र में अब नहीं होगा जलभराव, ओमला नदी से जोड़ी गई दो किलोमीटर लंबी पाइपलाइन

इस योजना पर अठारह करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

- पिछले बरसाती सीजन में औद्योगिक क्षेत्र के कारोबारियों को हुआ था भारी नुकसान, बाढ़ के पानी से मचाई थी तबाही

अंबाला छावनी के औद्योगिक क्षेत्र में अब जलभराव नहीं रहेगा। साथ ही कारोबारियों को न ही बाढ़ का खौफ सताएगा। नगर परिषद ने औद्योगिक क्षेत्र से एक पाइप लाइन सीधा ओमला नदी से जोड़ दी है। यह खुड्डा खुर्द में निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से भी जोड़ी गई है। इस योजना पर 18 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस सुविधा के तहत अगर औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव होता है तो पंप सेट की मदद से पानी को ओमला नदी की तरफ जाने वाली पाइप लाइन तक पहुंचाया जा सकेगा। दरअसल औद्योगिक क्षेत्र को पानी की मार से बचाने के लिए लगभग दो किमी लंबी पाइप लाइन डाली गई है। इसका एक हिस्सा औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ा गया है ताकि पानी की निकासी तुरंत हो सके। इस कार्य के लिए विशेष मशीन की मदद ली गई थी जोकि भूमिगत पाइप डालने में सक्षम है। इस सुविधा का सीधा फायदा औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों सहित स्थानीय लोगों को मिलेगा। यह भी बता दें कि खुड्डा खुर्द में 18 करोड़ की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इसके तहत ही पानी की निकासी का प्रबंध किया गया है। साथ ही पाइप लाइन डाली गई है। इसके अलावा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के तैयार होने से भी पानी की निकासी में काफी राहत मिलेगी। इस कार्य को पूरा होने में छह माह का समय लगेगा। इस सुविधा से लगभग 25 से 30 हजार आबादी को फायदा होगा।

स्कूल प्रबंधन को दिए जरुरी निर्देश

मिड-डे मील का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

- तिथि भोजन के तहत सुभरी, थंबड़ के स्कूल के बच्चों ने लिया विशेष व्यंजन का स्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

बराड़ा। स्कूल में मिड डे मील लेते हुए स्कूली छात्र। फोटो: हरिभूमि

सरकारी स्कूलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के प्रयासों के तहत शनिवार को वीटा मिल्क प्लांट द्वारा शुष्क फ्लेवर्ड दूध की स्कूलों में आपूर्ति की गई। इस अवसर पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला पुलिस लाइंस अंबाला सिटी का दौरा कर दूध वितरण की प्रक्रिया व मिड डे मील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीईईओ सुधीर कालड़ा ने वीटा दूध के पैकेट्स की विनिर्माण तिथि (15 जुलाई 2025) और समाप्ति तिथि (14 जनवरी 2026) की जांच की। विद्यालय में दूध एवं राशन भंडारण कक्ष का भी निरीक्षण किया और संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते दूध और राशन का सुरक्षित एवं स्वच्छ भंडारण सुनिश्चित किया जाए ताकि नमी और सीलन से बचाव हो सके तथा बच्चों को लगातार पोषणयुक्त और सुरक्षित मिड डे मील मिलता रहे। इसके अतिरिक्त उन्होंने तिथि विशेष भोजन के तहत राजकीय वमावि थंबड़, राजकीय उच्च विद्यालय सुभरी व राजकीय प्राथमिक पाठशाला बडिंगा का दौरा कर विद्यार्थियों को परोसे गए स्पेशल मील की गुणवत्ता का जायजा लिया।

गुणवत्ता के साथ लागू किया जा रहा

उन्होंने इन विद्यालयों में विशेष मिड डे मील तैयार करने और वितरण में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे स्टाफ सदस्यों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों की सराहना की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए मिड डे मील योजना बेहद अहम है और इस योजना को पूरी पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ लागू किया जा रहा है, ताकि बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास सुचारु रूप से होता रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 20 जुलाई 2025

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कभी-कभी बन जाएं बच्चे
जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए अलग-अलग तस्वीरें देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपने में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

क्या आप भी करते रहते हैं
हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

दूसरों पर ध्यान न लगाएं: हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

धैर्य बनाए रखें: यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

भाग्य को न कोसें: मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

परफेक्शन की जिद छोड़ें: कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

टू द पॉइंट सोचें: आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

अनुभवी लोगों से मिलें: विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

मन को थकाने से बचें: आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

समय पर छोड़ दें: अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इसके साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

सजेशन
मोनिका शर्मा

स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी
मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ: बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

सेटिंग्स का खास असर: फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव: इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है केताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
हुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरपन।

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

सोना और चोर

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह ताकें। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

पुस्तक: सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
लेखक: अवधेश श्रीवास्तव, मूल्य: 250 रुपए,
प्रकाशक: शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

महादेव शिव की दिव्य-भव्य प्रतिमाएं

आस्था / शिखर चंद जैन

महादेव शिव को समर्पित सावन के विशेष महीने में भक्तगण भगवान शिव से जुड़े तीर्थ-स्थलों की यात्रा करते हैं। इस अवसर पर हम आपको अपने देश के विभिन्न स्थानों में स्थित भगवान शिव की कुछ दिव्य और भव्य प्रतिमाओं के बारे में बता रहे हैं। इनके दर्शन मात्र से विलक्षण शांति प्राप्त होती है।

मुरुदेश्वर महादेव कर्नाटक

कर्नाटक के उत्तरी हिस्से के भटकल तहसील में स्थित है मुरुदेश्वर महादेव मंदिर। 'मुरुदेश्वर' भगवान शिव का ही एक नाम है। यहां महादेव की जो मूर्ति स्थापित की गई है, वह देश-दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिव प्रतिमा है। यह प्रतिमा 123 फीट ऊंची है। इसे बनाने में 2 साल का वक्त लगा। मुरुदेश्वर मंदिर अरब सागर के तट पर स्थित है। यह तीन ओर से अरब सागर से घिरा हुआ है। यह स्थल मंगलौर से 165 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां साल भर भक्तों और पर्यटकों का आगमन होता रहता है। *

आदियोगी शिव, कोयंबटूर

भगवान शिव के मुख की दुनिया में सबसे बड़ी प्रतिमा है आदियोगी शिव प्रतिमा। कोयंबटूर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित यह शिव प्रतिमा 112 फीट ऊंची है। इसका वजन 500 टन है। इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। इस प्रतिमा को बनाने में सीमेंट, कंक्रीट, बालू आदि किसी भी वस्तु का इस्तेमाल नहीं किया गया है बल्कि इसे धातु के टुकड़ों से बनाया गया है। इसके निर्माण में ढाई साल लगे। इस मंदिर के निर्माण से संबद्ध संस्था ईशा फाउंडेशन के अनुसार आदियोगी शिव का यह चेहरा मुक्ति का प्रतीक है। यह शिव प्रतिमा योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। *

सर्वेश्वर महादेव, वडोदरा

गुजरात के वडोदरा शहर के मध्य में स्थित है सूरसागर झील और इस झील के बीचों-बीच विराजमान हैं सर्वेश्वर महादेव। 78 फीट गहरे 23 खंभों पर टिकी सर्वेश्वर महादेव की यह मूर्ति 120 फीट ऊंची है। इसके निर्माण में 6 वर्ष लगे थे। यह स्थान अहमदाबाद से 112 किलोमीटर दूर है। शिव भक्तों के लिए यह मंदिर आस्था का केंद्र तो है ही, अन्य धर्मावलंबियों एवं पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर के आस-पास भी बहुत कुछ दर्शनीय है। *

सिद्धेश्वर महादेव, सिक्किम

सिक्किम के सोलोफोक पहाड़ी पर सिद्धेश्वर महादेव यानी भगवान शिव की बैठी हुई मुद्रा में लगभग 87 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। आधार से इसकी ऊंचाई 108 फीट है। सिक्किम के लोग इसे नामची महादेव और भगवान किरतेश्वर के नाम से भी पूजते हैं। सफेद रंग की यह मूर्ति आस्थावान शिव भक्तों के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकृष्ट करती है। यहां भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ चार धामों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां भी स्थापित हैं। *

हर की पैड़ी के शिव, हरिद्वार

हरिद्वार में हर की पैड़ी मंदिर बेहद लोकप्रिय श्रद्धा का केंद्र है। इसके ठीक सामने मौजूद है स्वामी विवेकानंद पार्क जहां भगवान शिव की 100 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। यहां देर शाम तक ठहर कर आप महादेव शिव के दर्शन के साथ-साथ गंगा आरती का भव्य नजारा भी देख सकते हैं। *

बेंगलुरु शिवोहम शिव मंदिर

ये शिव प्रतिमाएं भी हैं भव्य

यहां वर्णित भगवान शिव की विशाल एवं दिव्य प्रतिमाओं के साथ-साथ देश में कई अन्य स्थानों पर भी शिव के विशाल स्वरूप के दर्शन होते हैं।

- जबलपुर (मध्य प्रदेश) के कछार शहर में 76 फीट लंबी शिव प्रतिमा मौजूद है। इसके चारों तरफ 12 ज्योतिर्लिंग भी विराजित किए गए हैं।
- बेंगलुरु में शिवोहम शिव मंदिर में मौजूद शिव प्रतिमा 65.6 फीट ऊंची है। यहां पृष्ठभूमि में हिमालय की प्रतिकृति बनाई गई है।
- गुजरात के द्वारका में मौजूद है नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर। यहां विराजित शिव प्रतिमा 82 फीट ऊंची है।

गुजरात नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

सेल्फ इंप्रूवमेंट / जोगिंदर रोहिल्ला

सफलता के लिए सीखनी होगी समय प्रबंधन की कला

समय की कद्र करना ही सफलता की पहली सीढ़ी है। पैसा, शोहरत, संबंध, सब कुछ दोबारा पाया जा सकता है, लेकिन एक बार गया हुआ समय फिर नहीं आता। इसलिए अगर सफल होना चाहते हैं, तो समय प्रबंधन की कला सीखनी ही होगी।

भारत के प्रसिद्ध महान आचार्य चाणक्य ने कहा था, 'पैसा दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन गया हुआ समय कभी वापस नहीं आता।'

सच है, हम सभी के पास दिन में 24 घंटे होते हैं। किसी के पास न ज्यादा, न कम। इसके बावजूद कुछ लोग हर दिन नई ऊंचाइयों को छूते हैं, जबकि बहुत सारे लोग समय की कमी की शिकायत करते रहते हैं। इसका कारण सीधा और सपष्ट है- सफल लोग समय को सिर्फ बिताते नहीं, वे अच्छे से समय को मैनेज करते हैं। हालांकि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग सबसे ज्यादा जिस चीज की कमी महसूस करते हैं, वह है- समय। घर-ऑफिस का वर्क प्रेशर, सोशल मीडिया, परिवार की जिम्मेदारियों में उलझकर लोग यही कहते हैं, क्या करें समय ही नहीं मिलता। पर सच यह है कि समय मिलता नहीं, समय मैनेज करना होता है। इसीलिए ब्रायन ट्रेसी ने कहा है, 'जो लोग अपने समय को नियंत्रित नहीं करते, वे अपने जीवन को नियंत्रित नहीं कर सकते।'

सक्सेसफुल टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के सफल बनने के पीछे केवल उनकी प्रतिभा ही नहीं, बल्कि उनका अनुशासित समय प्रबंधन भी था। उन्होंने अपनी ट्रेनिंग, रिकवरी और निजी जीवन-तीनों को संतुलन के साथ समयबद्ध किया, जिससे उनका प्रदर्शन लगातार ऊंचाइयों पर बना रहा।

समय प्रबंधन क्यों है जरूरी: हमें समझना होगा कि समय सीमित है। औसतन इंसान के पास सिर्फ 4000 हफ्ते होते हैं। घर-बाहर के काम कभी खत्म नहीं होते, इसलिए यह तय करना जरूरी है कि किस काम को पहले करना है और किसे बाद में?

आपको समझना होगा कि संतुलित जीवन में करियर, स्वास्थ्य, रिश्ते, खुशी सभी के लिए समय चाहिए होता है। जब हर चीज की प्लानिंग होती है तो इससे तनाव कम होता है, मन शांत रहता है।

समय प्रबंधन के तरीके: समय प्रबंधन करना बहुत कठिन नहीं होता है, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होता है।

प्राथमिकता तय करें: जो काम जरूरी है, वही पहले करें। अर्जेंट और इंपॉर्टेंट का अंतर समझें। इसी तरह यह भी बहुत जरूरी है कि अनावश्यक कामों को मना करना सीखें। ऐसे काम करने में अपना टाइम वेस्ट ना करें।

प्लानिंग करें: काम शुरू करने के पहले से ही आपका हर महीना, हफ्ता और हर दिन प्लान होना चाहिए। अगर ये बहुत ज्यादा लगता है तो हर हफ्ते और हर दिन की प्लानिंग से शुरू कीजिए। अपने कार्यों को एक निश्चित समय और क्रम में इस तरह से प्लान कीजिए कि हर जरूरी काम समय पर, सही ध्यान और ऊर्जा के साथ पूरा किया जा सके। याद रखिए कि आपको प्लानिंग में जिंदगी के हर पहलू का ध्यान रखना है। जैसे- करियर, हेल्थ, परिवार, हॉबी।

इवेल्यूएशन करें: हर वीक के अंत में अपना इवेल्यूएशन खुद करें। स्वयं से पूछें कि इस हफ्ते मेरी उपलब्धियां कैसी रहीं? क्या मैं अपने समय का सदुपयोग कर पाया? क्या इसमें और सुधार की जरूरत है? इन सब प्रश्नों के उत्तर आपको हर हफ्ते अपने टाइम मैनेजमेंट को इंप्रूव करने में मदद करेंगे।

ना करें टाइम वेस्ट: आज के समय में सोशल मीडिया लोगों का समय वेस्ट करने वाला सबसे बड़ा जरिया बन गया है। हम अनजाने में दिन के कई घंटे इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यू ट्यूब या फेसबुक पर बिता देते हैं। जरूरी है कि हम इन चीजों के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखें। आप खुद तय कर सकते हैं कि दिन में कितना समय इनको देना है। यह समझना जरूरी है कि हर काम के लिए 'हां' कहना जिम्मेदारी नहीं, कमजोरी बन सकता है। जब जरूरत हो, तो 'ना' कहना सीखें, ताकि आप अपने समय और ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। *

यादें

अशोक वाधवाणी

हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर से ही रोमांटिक दृश्यों को प्रभावी बनाने के लिए सावन और बारिश के माहौल का इस्तेमाल किया जाता रहा है। ऐसे ही एक यादगार गीत 'रिमझिम गिरे सावन' से कुछ दिलचस्प बातें जुड़ी हुई हैं।

कुछ इस तरह फिल्माया गया था पॉपुलर गाना रिमझिम गिरे सावन...

सावन और बरसात का हिंदी फिल्मों से पुराना कनेक्शन रहा है। बीते दौर की ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों से लेकर आज तक हिंदी फिल्मों में बरसात में भीगते हुए नायक-नायिका पर रोमांटिक गाने फिल्माने की परंपरा चल रही है। इस तरह के प्रयोग अकसर ही फिल्म और गाने को हिट कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बारिश में फिल्माए गए कई गाने इतने लोकप्रिय हुए हैं कि आज भी बारिश के मौसम में भीगने पर आम लोगों को भी उनकी पंक्तियां याद आ ही जाती हैं। ऐसे ही यादगार गानों की कड़ी में शामिल है वर्ष 1979 में रिलीज हुई फिल्म 'मंजिल' के का वो सुपरहिट गीत 'रिमझिम गिरे सावन...', जिसे फिल्माया गया था अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर। देखा जाए तो इस गाने की लोकप्रियता में बरसात ने उत्प्रेरक का काम किया। बासु चटर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'मंजिल' मृणाल सेन द्वारा निर्देशित बांग्ला फिल्म 'आकाश कुसुम' (1965) का रीमेक है। इस फिल्म की कहानी को दर्शकों, समीक्षकों की समान रूप से सराहना मिली थी।

बैकग्राउंड में बजता है गाना: फिल्म 'मंजिल' के इस लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'रिमझिन गिरे सावन, सुलग-सुलग जाए मन...' को लिखा था योगेश ने और इसका सुरीला संगीत दिया था आर.डी. बर्मन ने। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने आवाज दी है, तो भी यह युगल गीत नहीं है। ये गाना अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर बारिश में भीगते हुए फिल्माया गया है। लेकिन पर्दे पर इन दोनों कलाकारों को यह गाना गाते हुए नहीं

दिखाया गया है। पूरे सीक्वेंस के दौरान केवल बैकग्राउंड में बजता रहता है- रिमझिम गिरे सावन...।

असली बारिश में फिल्माया गया: इस लोकप्रिय गीत के साथ एक दिलचस्प बात यह भी जुड़ी है कि इसको मुंबई की असली बारिश में अलग-अलग लोकेशंस पर तीन दिनों तक पिक्चराइज किया गया था। मुंबई के मरीन ड्राइव, गिरगांव चौपाटी, फोर्ट, गेट वे ऑफ इंडिया, ओवल मैदान, हुतात्मा चौक आदि दक्षिण मुंबई के दर्शनीय स्थानों पर इसे शूट किया गया। अमिताभ और मौसमी ने भी इस गाने में स्वाभाविकता लाने की कोशिश की, जिसमें दोनों सफल भी हुए। सूट, टाई पहने अमिताभ और सीधी-सादी साड़ी पहने मौसमी बिना छाते के बारिश में भीगते, अठखेलियां करते हुए टहलते दिखते हैं। बारिश से बचने के लिए इनके पास कोई छाता या रेन कोट नहीं होता है। वहीं हाथों में छाता थामे हुए लोगों का हुजूम, इन्हें भीगते हुए देखता है।

गाने का हर दृश्य है कमाल: इस गाने में बेहद सादगीपूर्ण ढंग से बारिश की मस्ती और प्रेम की भावना को दर्शाया गया है। हाथों में हाथ डाले प्रेमियों की भांति अमिताभ-मौसमी का भीगना बहुत अच्छा लगता है। समंदर किनारे बनी दीवार पर अमिताभ का हाथ पकड़े हुए मौसमी का चलना-फिरना, अमिताभ का दोनों हाथों से पकड़ कर मौसमी को नीचे उतारना, चेहरे पर जमी बारिश की बूंदों को मौसमी द्वारा अपनी साड़ी के पल्लू से पोंछना, ये सारे दृश्य सुंदर, स्वाभाविक और कमाल बन पड़े हैं।

पूरे गाने में दोनों कलाकारों का उत्साह देखते ही बनता है। बालमन जिस तरह बिंदासपन के साथ बारिश में उछलता-कूदता है, बिल्कुल वही उमंग, उत्साह, उल्लास, ऊर्जा दिखती है दोनों में। गोथिक शैली की ब्रिटिशकालीन बड़ी-बड़ी इमारतों के सामने, नारियल के पेड़ों के पास खुले मैदान के गड्ढों में भरे पानी को पूरे जोश-जुनून के साथ पैरों से छपाक मारना, अमिताभ-मौसमी का मासूम अल्हड़पन, ...गाने का एक-एक फ्रेम, एक-एक दृश्य बेहद खूबसूरत बन पड़ा है। *

आकाशवाणी सार्वजनिक क्षेत्र की रेडियो प्रसारण सेवा है, जो लगभग एक सदी से ज्ञान, सूचना और मनोरंजन का साधन बना हुआ है। आगामी 23 जुलाई को आकाशवाणी के स्थापना दिवस पर इसकी अब तक की यात्रा पर एक नजर।

अतीत से अब तक बरकरार आकाशवाणी की महत्ता

जानकारी

पूनम पांडे

आज आभासी दुनिया और तकनीक से सब कुछ जान लेने वाली पीढ़ी को अगर साढ़े चार दशक पहले के भारत की यह खास बात बताई जाए कि आकाशवाणी जीवन का एक अटूट हिस्सा हुआ करता था तो शायद वो एकदम से यकीन न करे। पर यही तब के समय का सच था।

आकाशवाणी की शुरुआत

आकाशवाणी की स्थापना 23 जुलाई 1927 को की गई थी। उस समय इस सेवा का नाम भारतीय प्रसारण सेवा (इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) रखा गया था। तब देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुंबई और कोलकाता में दो निजी ट्रांसमीटरों से की गई थी। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो रखा गया और 1957 में इसे आकाशवाणी नाम दिया गया।

जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका

उस दौर में भारत में साक्षरता दर बहुत कम थी। वे दुनिया की दौड़ में बहुत पीछे थे। आकाशवाणी के माध्यम से बड़े ही सरल ढंग से आम बोल-चाल की भाषा में विभिन्न प्रकार की जानकारियां आम लोगों तक उपलब्ध कराई जाती थी। दूर-दराज के ग्रामीण इलाके में लोगों से जुड़कर और उनको जागरूक करने में रेडियो पर प्रसारित होने वाले आकाशवाणी के कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारत के राष्ट्रीय प्रसारक के रूप में, ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) यानी आकाशवाणी आज भी जनता को मनोरंजन, सूचना एवं ज्ञानपरक सेवाएं दे रहा है। आकाशवाणी शुरुआत से ही अपने आदर्श वाक्य 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' का अनुसरण कर रहा है।

आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क

अपनी स्थापना के बाद से धीरे-धीरे आकाशवाणी के नेटवर्क का विस्तार होता गया। आज आकाशवाणी का तेइस भाषाओं और एक सौ छियालीस बोलियों में प्रसारण होता है। आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क देश की लगभग पूरी आबादी एवं क्षेत्र को कवर करता है।

हर तरह का मनोरंजन

आकाशवाणी समस्त भाषायी प्रदेशों की जनता के लिए गीत-संगीत, नाटक, गोष्ठियां, वार्ताएं, रूपकों, संस्मरणों आदि मनोरंजक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इसके अलावा आकाशवाणी की विविध भारती सेवा फिल्मी गीतों को समर्पित होती है। आकाशवाणी पर समस्त कार्यक्रमों का लगभग पचास प्रतिशत समय मनोरंजन परक कार्यक्रमों के लिए होता है।

सूचना, शिक्षा एवं ज्ञान भी

आकाशवाणी पर हर एक घंटे पर मुख्य समाचार प्रसारित किए जाते हैं। इसके अलावा प्रातःकाल और सायंकाल में 15 मिनट की अवधि का समाचार बुलेटिन प्रसारित होता है। यह समाचार बुलेटिन हिंदी और अंग्रेजी भाषा में प्रसारित किया जाता है। बुलेटिन को इस तरह से तैयार किया जाता है कि श्रोता को उसे समझने के लिए किसी भी शब्दकोश का सहारा न लेना पड़े। आकाशवाणी पर श्रोताओं के विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ताएं भी प्रस्तुत की जाती हैं। अनुसंधानों के परिणामों, अभिभाषणों की कार्यवाही को लिपिबद्ध करके प्रस्तुत किया जाता है। इसके अंतर्गत कृषि, विज्ञान संबंधी शिक्षा देना भी शामिल होता है। आकाशवाणी के माध्यम से स्कूल तथा कॉलेज की कक्षाओं के लिए रेडियो द्वारा पाठ्य विषयों पर चर्चाएं भी प्रसारित की जाती हैं।

कायम है प्रासंगिकता

देखा जाए तो आज भी रेडियो और आकाशवाणी जनसंचार का सशक्त माध्यम बना हुआ है। इसने गांव-गांव तक ज्ञान की चेतना को पहुंचाने का अविस्मरणीय कार्य किया है। हालांकि आज संचार के विविध माध्यम, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और हर हाथ में मोबाइल की पहुंच ने रेडियो और आकाशवाणी के अस्तित्व को चुनौती अवश्य दी है, लेकिन इसकी कुछ अनूठी विशेषताओं के कारण आज भी इसकी लोकप्रियता, उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बनी हुई है। *

खान-पान

चेतना झा

बारिश का मौसम और पकौड़े का कनेक्शन तो आप जानते ही हैं! लेकिन यहां हम आपको देश के अलग-अलग हिस्सों में खाए जाने वाले कुछ जायकेदार मानसूनी व्यंजनों के बारे में बता रहे हैं, जिनका स्वाद आप कभी भुला नहीं पाएंगे।

जायकेदार मानसूनी व्यंजनों का स्वाद

लाजवाब राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा: राजस्थान की धरती पर बारिश की बूंदें स्वाद की नई बयार भी लेकर आती हैं। बारिश हुई नहीं कि गोठ के प्रोग्राम बनने लगते हैं। गोठ यानी, प्रकृति के करीब या पार्कों में जाकर सामूहिक पिकनिक मनाना। अपनों के साथ खुले सुखद परिवेश में दाल-बाटी चूरमे का रसास्वादन सबसे ज्यादा चलन में है। सावन के महीने में तीज और राखी जैसे पर्व पर यहां की फिजा में घेवर की खुशबू भी घुल-मिल जाती है। घेवर में स्वाद की इतनी विविधता मिलती है कि आप चखते जाएंगे पर इसका अंत नहीं होगा। मेवाड़ क्षेत्र में घूमिए तो

दाल-बाटी-चूरमा

गली-गली से उठती पकौड़े, मालपूए की सुगंध भूख बढ़ा देती है। इसके साथ ही भुट्टे की सब्जी के साथ घी चुपड़ी रोटी का स्वाद कभी नहीं भुला पाएंगे।

यूपी में अंगीठी वाली मीठी रोटी: अब बात यूपी की अंगीठी वाली मीठी रोटी, अरबी के पत्ते के पकौड़े, अगस्त्य के फूल के पकौड़े की। भिगोकर पीसी गई उड़द और चने की दाल को हरी मिर्च, धनिया, अदरक डाल कर भून देते हैं, फिर धो-सुखा कर, अरबी के पत्तों पर इन्हें लपेट कर स्टीम देते हैं। इसके बाद बनती है इनकी पकौड़ी। लंबी प्रक्रिया है लेकिन बरसात आते ही घर-घर में इसे बनाया और चाव से खाया जाता है।

झारखंड में धुसका-बर्रा: 'धुसका बर्रा खाएंगे, झारखंड में बस जाएंगे...' इस गाने की पंक्तियों की तरह ही हिट है झारखंड का धुसका-बर्रा। सच है, बारिश के दिनों में झारखंड की हरी-भरी धरती पर धुसका खाने के बाद किसी का भी दिल यहां बस जाने को करेगा। बराबर की मात्रा में चना दाल और अरवा चावल को भिगोकर उसमें जीरा, मिर्च आदि मसाले मिलाकर पीसा जाता है फिर तुरंत ही तल कर बनाते हैं धुसका। आलू की खट्टी-मीठी सब्जी के साथ इसका लुत्फ उठाया जाता है। इनके अलावा यहां रूगड़ा भी इस मौसम में खूब

अगस्त्य के फूल के पकौड़े

धुसका-बर्रा

चाव से खाया जाता है। इसे 'शाकाहारी मटन' भी कहा जाता है।

एमपी में दाल-बाफला: पश्चिमी मध्य प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा है मालवा। यहां बारिश की बूंदें दाल-बाफला का संदेश लेकर आती हैं। बाफला यानी आटे की बाटी को कंडे की आग में पका कर तैयार किए गए सोंधे-सोंधे बड़े। पकाने के बाद इन बड़ों से राख झाड़ कर घी की कटोरी में डुबो देते हैं, फिर खट्टी-मिठ्ठी दाल के साथ इसका स्वाद लिया जाता है। *

बिहार की कचरी-मूरही और लिट्टी-चोखा

बिहार में बारिश होते ही लिट्टी और बैंगन के चोखे के अलावा कचरी-मूरही की तलब जगने लगती है। कचरी यानी लच्छे में कटे प्याज में कटी हरी मिर्च, लहसुन, अदरक, बैंगन, फूलगोभी और मसाले डाल कर बेसन के घोल में लपेट कर तैयार पकौड़े। मूरही यानी पफ्ड राइस या मुरमुरे। बारिश में गरमा-गरम कचरी के साथ मूरही का स्वाद भुलाया नहीं जा सकता है।

लिट्टी के लिए चने के सत्तू में बारीक कटी हरी मिर्च, धनिया पत्ती, अदरक, लहसुन, नीबू का रस, अजवाइन, कलौंजी, नमक और कुछ बूंदें सरसों के तेल डाल कर मिश्रण तैयार किया जाता है। गूंथे आटे की गोली में यह मिश्रण डाल कर गोइठे या कोयले की आग में पकाया जाता है। फिर इसी आंच पर बैंगन को भून कर चोखा तैयार किया जाता है। इसका स्वाद एक बार अगर जुबान पर चढ़ गया तो यकीन मानिए, इसे बार-बार खाने का जी करेगा।